www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, मंगलवार
30 जून 2026
वर्षः 49
अंकः 64 पृष्ठः 6
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

उद्धव ठाकरे ने भाजपा को 'बाबर जनता पार्टी' बताया

● कहा- 6 बागी सांसदों की सदस्यता रद्द हो, वे विकास नहीं

धाराशिव/परभणी (एजेंसी)। शिवसेना (बीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने पार्टी से बागी 6 सांसदों की सदस्यता रद्द करने की मांग की। उन्होंने कहा, 'अगर देश में कानून का राज है तो इन सांसदों को अयोग्य ठहराया जाना चाहिए। ये सांसद

विकास के लिए नहीं, बल्कि अपने स्वार्थ के लिए गए हैं।' उद्धव ने राम मंदिर में चढ़ावा चोरी पर भाजपा का 'बाबर जनता पार्टी' बताया। उन्होंने कहा, 'बाबर ने राम मंदिर तोड़ा था। अब बाबर जनता पार्टी नए बने राम मंदिर को लूट रही है। दोनों में क्या फर्क है?'

उद्धव इन दिनों मराठवाड़ा के दौरे पर हैं। बाकी सांसदों के संसदीय क्षेत्रों में जाकर जनसभाएं कर रहे हैं। रविवार को उन्होंने परभणी और धाराशिव में अलग-अलग सभाओं को संबोधित किया।

रोडवेज और पिकअप में टक्कर, 3 लोगों की मौत

● फ्लाईओवर से नीचे गिरे, पिकअप दो हिस्सों में बंटी

हरिद्वार (एजेंसी)। हरिद्वार में रोडवेज बस और पिकअप की आमने-सामने की टक्कर हो गई, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा इतना भीषण था कि पिकअप का आधा हिस्सा अलग हो गया और दो लोग फ्लाईओवर से नीचे जा गिरे, जिनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना सोमवार तड़के श्यामपुर थाना क्षेत्र की है। बस चंपावत जिले के टनकपुर डिपो की थी। आसपास मौजूद लोगों और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। सभी घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

रेप-मर्डर के दोषी को फांसी की सजा सुनाई

● पुणे में 65 साल के व्यक्ति ने 3 साल की बच्ची से रेप किया था

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे जिले में 3 साल की बच्ची से रेप और हत्या करने के आरोपी 65 साल के दोषी भीमराव कांबले को विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई है। कोर्ट का यह फैसला वारदात के 60 दिन बाद आया है। अदालत ने इस मामले को रेयरेस्ट ऑफ रेयर श्रेणी का बताते हुए

कहा कि आरोपी का कृत्य बेहद क्रूर, अमानवीय और बर्बर था।

सोमवार सुबह 11 बजे कड़ी सुरक्षा के बीच आरोपी को अदालत में पेश किया गया था। कांबले पेशे से मजदूर हैं। वह 7 बच्चों का पिता और 11 बच्चों के दादा हैं। यह घटना 1 मई को पुणे जिले के नसरापुर गांव में हुई थी।

उपराज्यपाल ने दर्शन किए, यात्रा 3 जुलाई से शुरू, सिक्योरिटी का ट्रायल हुआ

अमरनाथ यात्रा से पहले बाबा बर्फानी की हुई पहली पूजा

जम्मू-श्रीनगर (एजेंसी)। अमरनाथ यात्रा शुरू होने के 3 दिन पहले सोमवार को बाबा बर्फानी की पहली पूजा हुई। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल और श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) के अध्यक्ष मनोज सिन्हा ने पूजा की।

इस साल 3 जुलाई से बालटाल और पहलगाम दोनों मार्गों से अमरनाथ यात्रा शुरू होगी। यात्रा 28 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन खत्म होगी। कुल 57 दिनों की यात्रा चलेगी। अधिकारियों के मुताबिक, 15 अप्रैल से अब तक 4 लाख से अधिक श्रद्धालु यात्रा के लिए पंजीकरण करा चुके हैं। श्रद्धालुओं का पहला जत्था 2 जुलाई को जम्मू के भगवती नगर बेस कैंप से यात्रा रूट के लिए रवाना होगा।

यात्रा का पूरा रुट 48 किलोमीटर लंबा है

अमरनाथ यात्रा के लिए दो रुट हैं, पहला 41 किलोमीटर लंबा पारंपरिक पहलगाम रुट और दूसरा 7 किलोमीटर लंबा बालटाल रुट। पहलगाम रुट अमरनाथ यात्रा का पारंपरिक रुट है। यहां से पवित्र गुफा तक पहुंचने में

आमतौर पर 3 से 4 दिन लगते हैं। इस मार्ग पर चढ़ाई धीरे-धीरे होती है, जिससे श्रद्धालुओं का शरीर ऊंचाई और कम ऑक्सीजन वाले वातावरण के अनुकूल हो जाता है। साथ ही, रास्ते में शेषनाग और पंचतरणी जैसे पौराणिक और धार्मिक महत्व वाले मंदिर के दर्शन भी होते हैं। वहीं, बालटाल रुट अपेक्षाकृत छोटा रास्ता है। इस मार्ग से श्रद्धालु कम समय में यात्रा पूरी कर सकते हैं, लेकिन इसकी चढ़ाई काफी सीधी, खड़ी और कठिन मानी जाती है।

प्रशासन ने बेस अस्पताल शुरू किए

प्रशासन ने बालटाल और चंदनवाड़ी में बेस अस्पताल शुरू कर दिए हैं। इसके अलावा यात्रा के दोनों मार्गों पर भी चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्रशासन ने दोनों मार्गों पर बुनियादी ढांचे, सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी अधिकांश तैयारियां पूरी कर ली हैं। हालांकि, चंदनवाड़ी से पवित्र गुफा तक के मार्ग पर महागणेश टॉप के पास बर्फ हटाने का काम अंतिम चरण में है।

फ्रांस में गर्मी से 1200 लोगों की मौत

● जर्मनी, स्पेन, ब्रिटेन समेत 16 देशों में रिकॉर्डतोड़ तापमान

सड़कें पिघलीं, स्कूल बंद, जंगलों में आग, इटली की नदी सूखी

पेरिस, लंदन, मैड्रिड/इटली (एजेंसी)। यूरोप इन दिनों रिकॉर्डतोड़ हीटवेव की चपेट में है। फ्रांस में भीषण गर्मी से करीब 1200 अतिरिक्त लोगों की मौत हुई है। हेल्थ एजेंसी ने बताया कि ये मौतें 24 जून से 27 जून के बीच हुईं। अतिरिक्त मौतों का मतलब है कि पिछले कुछ साल में हुई औसत मौतों की तुलना में इस बार करीब 1200 लोग ज्यादा मरे हैं।

हालांकि सरकार ने न ही पिछली बार और न ही इस बार का कोई सटीक आंकड़ा दिया है। अधिकारियों के मुताबिक मरने वालों में 85 प्रतिशत बुजुर्ग हैं। सबसे अधिक मौतें घरों में हुईं।

खासकर राजधानी पेरिस और उसके आसपास के इलाकों वाले इलाके में ऐसे मामले ज्यादा सामने आए। वहीं, जर्मनी, स्पेन, ब्रिटेन, डेनमार्क, इटली और स्विट्जरलैंड समेत 16 देशों में तापमान ने दशकों पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं।

मीडिया सूत्रों के अनुमान के मुताबिक, रविवार को यूरोप के करीब 19.1 करोड़ लोगों को 35 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक तापमान का सामना करना पड़ा। कहीं सड़कें पिघल रही हैं, कहीं स्कूल बंद करने पड़े हैं, तो कहीं जंगलों में भीषण आग भड़क उठी है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि यूरोप का तापमान दुनिया के औसत तापमान की तुलना में ज्यादा तेजी से बढ़ रहा है। भविष्य में ऐसी गर्मी की लहरें और अधिक बार आएंगी, ज्यादा समय तक रहेंगी।

फ्रांस के शैम्बैरी शहर के एक बड़े इलेक्ट्रॉनिक्स स्टोर में सुबह दुकान खुलते ही एयर कंडीशनर और पंखे खरीदने के लिए ग्राहकों में भगदड़ और धक्का-मुक्की देखने को मिली। पेरिस के एक सुपरमार्केट में इतनी ज्यादा में खरीदार पहुंचे कि पंखे, कूलर का स्टोर कुछ ही घंटे में खाली हो गया।

राममंदिर चोरी मामले के 8 आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत

● पुलिस ने रिमांड नहीं मांगी, अयोध्या के वकील पैरवी नहीं करेंगे, चंपत राय से पूछताछ

● चंपत राय, गोपाल राव और अनिल मिश्रा को अयोध्या छोड़ने की इजाजत न दी जाए: बार एसोसिएशन अध्यक्ष

अयोध्या/लखनऊ (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले में पूर्व पदाधिकारियों चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव से पूछताछ की गई। उनके बयान दर्ज किए गए। इसके बाद चंपत राय दिल्ली चले गए।

इस बीच मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। वकील अनूप अवस्थी की सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका पर तुरंत सुनवाई से इनकार करते हुए कोर्ट ने पूछा कि इतनी जल्दी क्या है। छुट्टियों के बाद ही मामला सुना जाएगा।

आरोपियों का केस कोई भी वकील नहीं लड़ेगा

हालांकि, इससे पहले ही अयोध्या के वकीलों ने बड़ी बैठक की। इसमें फैसला लिया कि चढ़ावा चोरी के आरोपियों का केस कोई भी वकील नहीं लड़ेगा। साथ ही, चंपत राय, गोपाल राव और अनिल मिश्रा के अयोध्या छोड़ने की मांग की। नहीं छोड़ने पर आंदोलन की चेतावनी दी। वहीं अयोध्या बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कालिका प्रसाद मिश्र ने कहा- जांच के तहत चंपत राय, गोपाल राव और अनिल मिश्र को अयोध्या छोड़ने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए।

● **अखिलेश बोले- राम मंदिर का चढ़ावा चोरी कर दूसरे प्रदेश भेजा गया-** अखिलेश यादव ने प्रयागराज में कहा- मर्यादा की जो बात है, इसमें बिल की जरूरत नहीं है। इसमें ईमानदारी की जरूरत है। आपकी नियत साफ हो, उसकी जरूरत है। मैंने तो यहां तक कहा था कि अगर आपको याद हो, कहीं आर्काइव में पड़ा होगा वीडियो भी, कि प्रभु श्रीराम माफ कर देंगे, अपना सीसीटीवी बंद कर दो और आंख बंद कर लो। जो जितना चढ़ावा ले गया है, रात के अंधेरे में वापस प्रभु श्रीराम जी पे चढ़ा दो, प्रभु श्रीराम अपने आप माफ कर देंगे। ये भारतीय जनता पार्टी प्रभु श्रीराम से भी माफी नहीं मांगना चाहती। अगर आज भी जो लोग चढ़ावा चोरी कर ले गए हैं, जो दूसरे प्रदेशों में चला गया है, वहां के सीसीटीवी बंद कर दो, चढ़ावा वापस रख दो, तो आज भी प्रभु श्रीराम उन्हें माफ कर देंगे।

● **अयोध्या के वकीलों का ऐलान- आरोपियों का केस लड़ने वाले पर 5 लाख का जुर्माना लगेगा-** राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में फैजाबाद एडवोकेट्स एसोसिएशन की बैठक हुई। इस दौरान अयोध्या बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कालिका प्रसाद मिश्रा ने कहा- मामले में कोई भी वकील आरोपी का पक्ष नहीं रखेगा। अगर कोई ऐसा करता है, तो उस पर 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा।

लमगड़ा में खाई में गिरी कार, चार लोगों ने गंवाई जान, दो की हालत नाजुक

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा जिले के लमगड़ा विकासखंड में सोमवार दोपहर एक भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा चायखान-बेगानिया मोटर मार्ग पर बलिया के समीप हुआ, जहां एक कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार दोपहर करीब 2:15 बजे मारुति ऑल्टो कार (यूके 04 जेड 5819) चायखान-बेगानिया मार्ग पर सवारियों को लेकर जा रही थी। बलिया के पास अचानक चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा, जिसके बाद कार सड़क से नीचे गहरी खाई में जा गिरी। हादसे के समय कार में चालक समेत छह लोग सवार थे। दुर्घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के ग्रामीण तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और पुलिस व प्रशासन को सूचना देने के साथ राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। सूचना मिलते ही पुलिस और अन्य राहत दल मौके पर पहुंचे।

हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल दो लोगों को प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लमगड़ा ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल अल्मोड़ा रेफर कर दिया गया है।

असम, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में बाढ़ जैसे हालात

300 मीटर लंबा लोहे का पुल बहा, 3 लोगों की मौत, सिक्किम में नदियां उफान पर, पुल टूटा

गुवाहाटी/जयपुर/लखनऊ/पटना/भोपाल (एजेंसी)। देश के पूर्वी राज्यों असम, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में भारी बारिश हो रही है। तीनों राज्यों में बाढ़

जैसे हालात हैं। अरुणाचल प्रदेश में बारिश और लैंडस्लाइड की घटना में तीन की मौत हो गई।

वहीं असम के ढेमाजी जिले में केमी

नदी में आई भीषण बाढ़ के कारण 300 मीटर लंबा लोहे का पुल बह गया। पुल के बहने से केमी-पुराना जेलोम क्षेत्र का जोनाई सदर से सड़क संपर्क पूरी तरह टूट गया है। सिक्किम में जोंगू क्षेत्र में फी खोला नदी पर बना बेली ब्रिज बह गया।

देश के 6 राज्यों उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली के कई इलाकों में प्री-मानसून बारिश जारी है। हालांकि, सात राज्यों में तेज गर्मी पड़ रही है। उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा में पारा 43 डिग्री से ज्यादा दर्ज किया गया।

मानसून ने देश के 22 राज्यों को कवर कर लिया है। 5 जुलाई तक बाकी राज्यों को कवर कर सकता है।

22 राज्यों तक पहुंचे मानसून की रफ्तार धीमी पड़ी, 6 राज्यों में प्री-मानसून बारिश जारी- मानसून ने 24 जून तक देश के 22 राज्यों को कवर कर लिया है, लेकिन बीते 5 दिन से इसकी रफ्तार धीमी पड़ी है। यह मध्य प्रदेश, गुजरात और उत्तर प्रदेश के कई क्षेत्रों में आगे नहीं बढ़ पा रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक, मानसून 5 जुलाई तक बाकी राज्यों को कवर कर सकता है। 6 राज्यों मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली के कई इलाकों में प्री-मानसून बारिश जारी है। विभाग ने असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल के निचले इलाकों और सिक्किम में आज तेज बारिश और कुछ जगहों के लिए बहुत तेज बारिश की चेतावनी जारी की है। मध्य प्रदेश में बड़वानी के सेंधवा में उफनाए पुल पार करते समय एक ट्रैक्टर और उसका ड्राइवर बह गया। ड्राइवर अभी भी लापता है।

सीबीएसई का फैसला, तीसरी भाषा में बोर्ड परीक्षा नहीं होगी

थ्री-लैंग्वेज पॉलिसी पर नई गाइडलाइन जारी की, 9वीं में पढ़ रहे स्टूडेंट्स को भी एक बार की छूट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीबीएसई ने सोमवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत थ्री लैंग्वेज पॉलिसी लागू करने को लेकर नई गाइडलाइन जारी की। बोर्ड ने साफ किया है कि मौजूदा 10वीं के स्टूडेंट्स पर थ्री लैंग्वेज पॉलिसी लागू नहीं होगी। वहीं, अभी 7वीं, 8वीं और 9वीं में पढ़ रहे स्टूडेंट्स को 10वीं में पहुंचने पर तीसरी भाषा का बोर्ड एग्जाम नहीं देना होगा।

सीबीएसई की अकादमिक निदेशक प्रज्ञा एम सिंह ने बताया कि 2026-27 में पहले से 9वीं में पढ़ रहे स्टूडेंट्स को एक बार की छूट भी दी है। ऐसे छात्र दो विदेशी (गैर-भारतीय) भाषाएं पढ़ना जारी रख सकते हैं, लेकिन उन्हें तीसरी भाषा के रूप में एक भारतीय भाषा जोड़नी होगी। इस तीसरी भाषा का मूल्यांकन स्कूल करेगा और 10वीं बोर्ड परीक्षा में इसका पेपर नहीं होगा।

एक नजर

स्वर्गाश्रम जौंक में गहराया पेयजल संकट

ऋषिकेश। नगर पंचायत स्वर्गाश्रम जौंक क्षेत्र में पेयजल किल्लत बनी हुई है। पानी की समस्या से स्थानीय लोग, पर्यटक और व्यापारी परेशान हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि जल संस्थान ऋषिकेश पेयजल आपूर्ति के ठोस इंतजाम नहीं कर पा रहा है। पेयजल आपूर्ति प्रभावित होने से करीब छह हजार की आबादी प्रभावित है। स्वर्गाश्रम क्षेत्र में पर्यटकों और तीर्थयात्रियों की पूरे साल भीड़ लगी रहती है। पेयजल आपूर्ति दुरुस्त करने के लिए विभागीय अधिकारी बैठक करते हैं लेकिन धरातल पर इसके उलट होता है। लक्ष्मणझूला स्वर्गाश्रम क्षेत्र में करीब 300 होटल, धर्मशाला, रेस्टोरेंट, ढाबा आदि संचालित होते हैं लेकिन नियमित पेयजल आपूर्ति न होने से होटल व्यवसायियों और अन्य लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। समाजसेवी विकास भंडारी ने बताया कि वेद निकेतन के समीप जल संस्थान का पंप हाउस है। पंप नियमित न चलने से ओवरहेड टैंक नहीं भरता, जिससे क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति प्रभावित रहती है। उन्होंने बताया कि कई बार जल संस्थान के कर्मचारी बिजली गुल होने का बहाना बनाते हैं, कई बार लो–वोल्टेज, कई बार जनरेटर में डीजल न होने की बात कह कर पल्ला झाड़ देते हैं। बताया कि पेयजल आपूर्ति नियमित न होने से होटल कारोबारियों को पानी के टैंकर मंगाने पड़ते हैं। एक दिन सुबह पेयजल आपूर्ति होती है शाम को नहीं होती। बताया कि नियमित पेयजल आपूर्ति को लेकर स्थानीय व्यापारी जिलाधिकारी देहरादून से वार्ता करेंगे।

डाक वितरक के कमरे में नहीं मिली डाक

कर्णप्रयाग। थराली तहसील के तुंगेश्वर उपडाकघर में डाक वितरक के कमरे में डाक बोरियों में बंद होने के मामले की जांच विभागीय स्तर पर जारी है। मामले में कर्णप्रयाग के डाक निरीक्षक पूर्वी पंकज कुमार ने बताया कि तुंगेश्वर में डाक वितरक की ओर से डाक वितरण में लापरवाही का मामले की शिकायत मिली थी। इस पर जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि डाक वितरक के कमरे का निरीक्षण किया गया था जहां किसी तरह की डाक नहीं मिली। मामले में सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। यदि मामले में कोई दोषी या लापरवाही मिलेगी तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि थराली के विनोद कुमार पांडे को सड़क पर अपनी डाक मिली। पता करने पर डाक वितरक के कमरे में बोरियों में डाक मिली। यह मामला सोशल मीडिया पर भी वायरल हुआ।

पीएचसी नारायणबगड़ पर भूस्खलन का खतरा

नारायणबगड़। ब्लॉक मुख्यालय का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भूस्खलन के कारण असुरक्षित हो गया है। पहाड़ी से लगातार मलबा आने से अस्पताल भवन और आवासीय परिसर को खतरा बना है। ब्लाक मुख्यालय पर संचालित पीएचसी में दूरदराज के गांवों के लोग पहुंचते हैं। अस्पताल में प्रतिदिन 70 से 80 ओपीडी होती है। जनवरी से जून तक 500 से अधिक आपातकालीन मामले आए हैं और हर माह 10 से 15 प्रसव होते हैं। मगर स्थिति यह है कि बरसात में यहां पहाड़ियों से मलबा आता है। बीते वर्ष यहां भूस्खलन के मलबे को रोकने के लिए अस्पताल परिसर की सुरक्षा दीवारें बनीं लेकिन बीते 25 जून की बारिश में ये दीवारें भी कई जगह क्षतिग्रस्त हो गईं। स्वास्थ्यकर्मियों में मानसून को देखते हुए डर है। प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. नवीन डिमरी के अनुसार अस्पताल की सुरक्षा के लिए उपाय किए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया। वहीं ब्लॉक प्रमुख गणेश चंदोला ने बताया कि सिंचाई विभाग को चेकडैम बनाने के निर्देश दिए गए हैं।

सालभर बाद भी घिंघराण सड़क का नहीं हुआ ट्रीटमेंट

गोपेश्वर। नगर क्षेत्र के समीप ब्रह्मसैंण मोहल्ले के निचले क्षेत्र में घिंघराण सड़क के भूस्खलन प्रभावित हिस्से का एक साल बाद भी उपचार नहीं हो पाया है। पिछले वर्ष सड़क के करीब 40 मीटर हिस्से में भूस्खलन होने से क्षेत्र को खतरा पैदा हो गया था लेकिन अब तक यहां कोई स्थायी सुरक्षा कार्य नहीं कराया जा सका है। बरसात का मौसम शुरू होते ही स्थानीय लोगों और दुकानदारों की चिंता फिर बढ़ गई है। स्थानीय विनोद सिंह, मनोज और माहेश्वरी देवी ने बताया कि सड़क किनारे सुरक्षा कार्य और ट्रीटमेंट कराने के लिए कई बार शासन–प्रशासन से गुहार लगाई गई लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं हो पाया है। हल्की बारिश होने पर भी डर लगने लगता है। जिला पंचायत सदस्य जेपी पंवार और पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य सीमा असवाल ने कहा कि यदि जल्द भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र का ट्रीटमेंट नहीं किया गया तो इस बरसात में स्थानीय लोगों के साथ ही आसपास के दुकानदारों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने तत्काल अस्थायी सुरक्षा कार्य शुरू कराने की मांग उठाई। उधर लोनिवि के अधिशासी अभियंता तनुज कंबोज ने बताया कि घिंघराण सड़क के ट्रीटमेंट का प्रस्ताव शासन को भेजा जा चुका है। स्वीकृति मिलते ही कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

दुर्घटना रोकथाम के लिए सड़क सुधार पर काम करे विभाग : डीएम

नई टिहरी। सड़क सुरक्षा समिति की बैठक लेते हुए डीएम नितिका खंडेलवाल ने सड़क दुर्घटनाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि जनवरी से मई 2026 के दौरान जिले में सड़क दुर्घटनाओं में पिछले वर्ष की तुलना में 39.13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। अधिकांश दुर्घटनाएं अंधे मोड़ों और वाहन चालकों का ध्यान भटकने के कारण हुई हैं। सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में थानावार की गई समीक्षा में सर्वाधिक सड़क दुर्घटनाएं देवप्रयाग क्षेत्र में और मार्गवार सर्वाधिक दुर्घटनाएं राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) पर दर्ज की गई हैं। डीएम ने देवप्रयाग क्षेत्र में यातायात और ओवरस्पीड की चेकिंग और अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने चंपावत में अत्याधुनिक एमआरआई मशीन का किया लोकार्पण

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को चंपावत में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में अभूतपूर्व और ऐतिहासिक सौगात दी। मुख्यमंत्री ने कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के अंतर्गत आई.सी.आई.सी.आई फाउंडेशन फॉर इन्क्लूसिव ग्रोथ के सहयोग से लगभग 6 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित अत्याधुनिक एम.आर.आई मशीन का लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वस्थ उत्तराखंड ही समर्थ, आत्मनिर्भर और विकसित उत्तराखंड का मुख्य आधार है। राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि राज्य में अस्पतालों के निर्माण के साथ उन्हें आधुनिक चिकित्सा उपकरणों, गुणवत्तापूर्ण सेवाओं और प्रशिक्षित मानव संसाधन से सशक्त बनाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एम.आर.आई मशीन के उद्घाटन से सीमांत क्षेत्र के लाखों लोगों के लिए बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं, समय पर सटीक जांच और उच्च स्तरीय उपचार की सुविधा का लाभ मिलेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि इस अनुपम सुविधा का लाभ न केवल चंपावत, बल्कि पिथौरागढ़, अल्मोड़ा, नैनीताल सहित इसके आसपास के सभी सीमांत क्षेत्रों के नागरिकों को प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि चंपावत विधानसभा क्षेत्र में स्वास्थ्य अवसंरचना को निरंतर सुदृढ़ किया जा रहा है। जिला चिकित्सालय चंपावत में लगभग 20 करोड़ रुपये की लागत से 50 बेड वाले आधुनिक क्रिटिकल केयर ब्लॉक का निर्माण कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि जिला चिकित्सालय में ही लगभग 11.71 करोड़ रुपये की लागत से लोअर ग्राउंड फ्लोर में पार्किंग, प्रथम एवं द्वितीय तल पर अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक विंग तथा आधुनिक ऑपरेशन थिएटर का निर्माण कार्य तीव्र गति से प्रगति पर है, जिसके पूर्ण होने के बाद जनपद की स्वास्थ्य सेवाएं और अधिक मजबूत व आधुनिक बनेंगी। अमोड़ी में 2.18 करोड़ रुपये की लागत से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) के निर्माण कार्य से स्थानीय लोगों को अपने ही क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं प्राप्त हो रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनपद चंपावत में एक नए पैरामेडिकल कॉलेज की स्थापना की आवश्यक कार्यवाही भी तेजी से बढ़ाई जा रही है, जिससे स्थानीय युवाओं को चिकित्सा शिक्षा के नए अवसर मिलेंगे और राज्य को दक्ष पैरामेडिकल मानव संसाधन प्राप्त होगा। इस अवसर पर अध्यक्ष जिला पंचायत आनंद सिंह अधिकारी, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रेमा पांडे, ब्लॉक प्रमुख चंपावत श्रीमती अंचला बोहरा, भाजपा जिला अध्यक्ष गोविंद सिंह सामंत, विधायक प्रतिनिधि चंपावत प्रकाश तिवारी, टनकपुर दीपक रजवार, प्रदेश मंत्री भाजपा अध्यक्ष निर्मल महारा एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

काशीपुर किंग बनी उधम सिंह नगर प्रो टी—20 क्रिकेट लीग की चैंपियन

रुद्रपुर। ऊधमसिंह नगर प्रो टी–20 क्रिकेट लीग में काशीपुर किंग चैंपियन बन गया है। फाइनल मुकाबले में काशीपुर ने गदरपुर थंडर को सात विकेट से हराया। विजेता और उपविजेता टीम को मुख्य अतिथि मिंडा कंपनी के एचआर पर्थ प्रतिम मिद्या, विशेष अतिथि क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड के उपाध्यक्ष अजय पांडे, कोषाध्यक्ष मानस मेघवाल, बॉलीवुड एक्टर अहर्षदीप सिंह संधू ने ट्रॉफी और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

एमिनिटी खेल मैदान में फाइनल मुकाबले का शुभारंभ क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड के उप सचिव नूर आलम ने किया। गदरपुर थंडर के कप्तान और रणजी खिलाड़ी युवराज चौधरी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। टीम ने 19.3 ओवरों में सभी विकेट खोकर 147 रन बनाए। कप्तान युवराज चौधरी ने 37 रन बनाए।

जवाब में काशीपुर किंग की टीम ने 18.4 ओवर में तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। अवनीश सुधा ने 68 और युवराज बोरा ने 39 रनों की पारी खेली। गदरपुर थंडर की तरफ से देवेंद्र बोरा ने तीन विकेट लिए। प्लेयर ऑफ द मैच अवनीश सुधा रहे। टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी उत्तराखंड के रणजी खिलाड़ी युवराज चौधरी चुने गए। सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज का खिताब देवेंदर बोरा को मिला।

दिव्यांगों की पेंशन दुगनी करने, रोजगार, आवास सुविधा देने की मांग

बाजपुर। गांव मुंडिया पिस्तौर देहात निवासी नेत्रहीन दिव्यांग अरुण सागर ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से दिव्यांगों की सुविधाएं बढ़ाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से दिव्यांगों को दी जा रही 1500 रुपये की पेंशन वर्तमान समय में पर्याप्त नहीं है। उन्होंने इसे बढ़ाकर 5000 रुपये प्रतिमाह करने का अनुरोध किया है। अरुण सागर ने कहा कि वह मुख्यमंत्री से मुलाकात कर अपनी समस्याएं उनके सामने रखना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि वह वर्ष 2013 से आवास योजना के लिए आवेदन कर रहे हैं लेकिन अभी तक उन्हें आवासीय सुविधा नहीं मिल सकी है। इस संबंध में वह सांसद और विधायक को भी लिखित शिकायत दे चुके हैं। अरुण सागर ने मुख्यमंत्री से दिव्यांगों की पेंशन बढ़ाने के साथ ही रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने और आवास जैसी मूलभूत सुविधाएं दिलाने की मांग की है।

ढाई माह में पहुंची 90 हजार नई पुस्तकें

काशीपुर। ढाई माह बाद भी काशीपुर ब्लॉक को सभी नई पुस्तकें उपलब्ध नहीं कराई जा सकी है। विभाग की ओर से 96 हजार किताबों की डिमांड भेजी गई थी जिसमें से 90 हजार किताबें मिल गई हैं। एक जुलाई से विद्यालय खुलने पर कई छात्र–छात्राओं के पुरानी पुस्तकों से ही अध्ययन करना पड़ेगा। हालांकि विभागीय अधिकारियों का दावा है कि जल्द ही सभी बच्चों को नई किताबें उपलब्ध करा दी जाएंगी।

एक अप्रैल से नया सत्र शुरू हो चुका है। समय–समय पर विभिन्न विषयों की नई पुस्तकों की खेप सीआरसी और अन्य माध्यम से काशीपुर के स्कूलों में पहुंची हैं। अभी तक ब्लॉक को करीब 90 हजार पुस्तकें उपलब्ध होने की अधिकारी दावा कर रहे हैं। ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद स्कूल खुलने में मात्र दो दिन शेष है। शेष पुस्तकें पहुंचने की कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही है। स्कूलों में बुक बैंक भी बनाए गए हैं। नई पुस्तकें आने के बाद पुरानी पुस्तकें जमा कर बुक बैंक में रख दी जाती हैं।

जुलेड़ी में पांच साल के इंतजार के बाद 15 लोगों की पेंशन स्वीकृत

यमकेश्वर। जुलेड़ी पंचायत में बीते 6 माह में समाज कल्याण विभाग से 15 लोगों की पेंशन लग गई है। पेंशन लगने से ग्रामीणों में खुशी की लहर है। ये लोग पिछले 5 वर्षों से पेंशन लगने का इंतजार कर रहे थे। ग्राम प्रधान जुलेड़ी रजनी देवी ने बताया कि प्राथमिकताओं के आधार पर पेंशन प्रक्रिया पूरी कराई गई। इसमें 5 विधवा पेंशन और 10 वृद्धावस्था पेंशन स्वीकृत हुई हैं। समाज कल्याण विभाग की पेंशन का लाभ लेने के लिए ग्राम पंचायत की खुली बैठक का प्रस्ताव एवं आय प्रमाणपत्र होना जरूरी है। 60 वर्ष पूर्ण होने पर वृद्धा पेंशन लगती है। जबकि पति की मृत्यु होने पर पत्नी पेंशन की हकदार हो जाती है। जुलेड़ी पंचायत में कई वृद्ध ऐसे हैं जिनकी 65 वर्ष आयु होने पर अब पेंशन की पहली किस्त मिली है। जुलेड़ी पंचायत में 22 दिसंबर को बहुउद्देशीय शिविर के दौरान इन सभी लोगों ने दस्तावेज तैयार करवाए थे। दस्तावेज तैयार होते ही पेंशन की प्रक्रिया शुरू की गई। जुलेड़ी पंचायत की सुमित्रा देवी, सुलोचना देवी, अनीता देवी, सुरेशी देवी, उषा देवी की विधवा पेंशन लगी है। वहीं गिन्नी देवी, कोमल सिंह, साधना देवी, शांति देवी, सोहनलाल, रमेश चंद्र, दर्शन लाल, रमेश चंद्र, सुखवीर सिंह, बलवंत सिंह की वृद्धावस्था पेंशन स्वीकृत हुई है।

अच्छी बारिश के लिए की गई प्रार्थना

ऋषिकेश। लगातार पड़ रही भीषण गर्मी के बीच बारिश की कामना को लेकर ऋषिकेश गंगा आरती ट्रस्ट की ओर से पूर्णानंद घाट पर विशेष गंगा आरती का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने मां गंगा की आराधना कर समय पर अच्छी वर्षा और जनकल्याण की प्रार्थना की। गंगा आरती ट्रस्ट के अध्यक्ष हरिओम शर्मा ने कहा कि भीषण गर्मी से आमजन परेशान हैं और सभी को बारिश का बेसब्री से इंतजार है। पर्याप्त वर्षा नहीं होने से गर्मी का असर लगातार बढ़ता जा रहा है। ऐसे में मां गंगा से प्रार्थना की गई कि जल्द अच्छी वर्षा हो, जिससे लोगों को राहत मिले और प्रकृति में संतुलन बना रहे। विशेष गंगा आरती के दौरान श्रद्धालुओं ने देश और प्रदेश की सुख–समृद्धि, अच्छी फसल तथा जनकल्याण की भी कामना की।

उत्तरकाशी रूट पर नहीं गई रोडवेज बस

ऋषिकेश। दिल्ली उत्तरकाशी रूट पर जाने वाली रोडवेज बस में तकनीकी खराबी आने के कारण यात्री परेशान रहे। रोडवेज बस के उत्तरकाशी न जाने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। रोडवेज प्रशासन की ओर कोई वैकल्पिक इंतजाम नहीं किए गए। दिल्ली उत्तरकाशी रूट पर ऋषिकेश डिपो से बस दोपहर एक बजे दिल्ली जाती है। जो रात को आठ बजे दिल्ली पहुंचती है। रात को करीब नौ बजे ऋषिकेश के लिए चलती है। यह बस तड़के तीन बजे ऋषिकेश पहुंचती है। चार बजे उत्तरकाशी के लिए रवाना होती है। रोडवेज सूत्रों ने बताया कि रविवार को वर्कशॉप से बस में आई तकनीकी खराबी ठीक न किए जाने से बस रात को दिल्ली नहीं गई।

दिल्ली से उत्तरकाशी जाने वाले यात्रियों को दूसरी बसों से ऋषिकेश आना पड़ा। ऋषिकेश से प्राइवेट बसों और टैक्सियों से आगे का सफर तय किया। रोडवेज की प्रभारी एजीएम अंजलिका शर्मा ने बताया कि उत्तरकाशी रूट पर संचालित होने वाली बस में तकनीकी खराबी आ गई थी। बस की वर्कशॉप में मरम्मत की जा रही है। जल्द ही उत्तरकाशी रूट बस सेवा शुरू की जाएगी।

पूर्व सैनिकों और महिलाओं को सम्मानित किया

जौलीग्रांट। भानियावाला में स्पर्श गंगा अभियान के तत्वावधान में पूर्व सैनिक और महिला सशक्तीकरण सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बलिदानियों के परिजन, पूर्व सैनिकों और महिलाओं का सम्मान किया गया।

मुख्य अतिथि स्पर्श गंगा अभियान की राष्ट्रीय संयोजिका, फिल्म निर्माता और अभिनेत्री डॉ. आरुषि निशंक ने कहा कि स्पर्श गंगा अभियान से अब तक साढ़े पांच लाख से अधिक लोग जुड़कर 11 लाख पौधों का रोपण कर चुके हैं। गंगा को स्वच्छ बनाने के उद्देश्य से अभियान के तहत 800 महिलाओं को जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर और रोजगार से जोड़ने का कार्य किया जा चुका है।

कार्यक्रम में बलिदानियों के परिजनों, पूर्व सैनिकों, आंगनबाड़ी और अन्य लोगों को सम्मानित किया गया। पूर्व प्रधान पुरुषोत्तम डोभाल, रवींद्र बेलवाल, कमांडर एसएस मठारू, विनीता पैन्यूली, आशा खाती, आनंद सिंह राणा, सुंदर लोधी, प्रकाश कोठारी, कृष्णा तड़ियाल, प्रीति थपलियाल, अनीता गुरंग, प्रेम सिंह पम्मी राज, दरपान बोहरा, राजकुमार राज, मंगल सिंह,हरविंदर सिंह, जेपी गैरोला आदि उपस्थित रहे।

सड़क निर्माण के लिए तहसील परिसर में प्रदर्शन

घनसाली (टिहरी)। घनसाली विधानसभा क्षेत्र में लंबित सड़कों का निर्माण शुरू करने की मांग को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने तहसील मुख्यालय पर आक्रोश रैली निकाली। बाद में एसडीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर भटवाड़ी–सौरासारी–दुगड्डा–झाला–बूढ़ाकेदार, खाल–कल्दी–हटकुणी–भाटगांव–घुत्तू–पंवालीकांठा सड़कों का निर्माण शुरू करने, चमियाला–कोटलगांव–लंबगांव, जाखधार–घनसाली–चिरबटिया मोटर मार्ग का चौड़ीकरण करने की मांग की।

मांगों के समर्थन में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष लक्ष्मी प्रसाद जोशी, जसवीर नेगी, पूर्व विधायक भीम लाल आर्य और ज्येष्ठ प्रमुख प्यार सिंह बिष्ट के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए तहसील पहुंचे। इस दौरान उन्होंने प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। वहां आयोजित बैठक में कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि पिछले दस वर्षों में घनसाली विधानसभा क्षेत्र में सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल सहित कई विकास कार्य ठप पड़े हैं। इससे क्षेत्र की जनता को मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशानी उठानी पड़ रही है। कहा सरकार विकास के बड़े–बड़े दावे कर रही है लेकिन धरातल पर कार्य नहीं हो पा रहे है।

पैतृक गांव में यमुना तट पर हुई दिवंगत निशानेबाज जसपाल राणा की मां की अंत्येष्टि

(टिहरी)।दिवंगत निशानेबाज जसपाल राणा की मां श्यामा देवी का टिहरी में यमुना नदी के तट पर अंतिम संस्कार किया गया। बीते दिन उनका दिल्ली में निधन हो गया था। आज उनका अंतिम संस्कार पैतृक गांव चिलामू नैनबाग में किया गया। हजारों की संख्या में लोग सम्मिलित हुए और नम आंखों से लोगों ने उनको अंतिम विदाई दी। नैनबाग सुमन क्यारी बाजार शोक में पूर्णतया बंद रहा।

प्रधान नैनबाग मनीष चौहान ने कहा कि अभी कुछ दिन पूर्व अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज जसपाल राणा की मृत्यु हुई और आज उनकी माता की लंबी बीमारी के कारण मृत्यु हुई है। जसपाल राणा के पिता नारायण सिंह राणा के ऊपर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। मसूरी नगर पालिका अध्यक्ष मीरा सकलानी ने कहा कि गोल्डन बॉय के नाम से विख्यात जसपाल राणा के जाने व उनकी माता के देहांत से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। इस दुख की घड़ी में भगवान से प्रार्थना है कि उनके परिवार को सहनशक्ति प्रदान करने की शक्ति प्रदान करें। श्यामा देवी को मुखाग्नि उनके छोटे बेटे सुभाष राणा व जसपाल राणा के पुत्र युवराज सिंह ने दी।

सड़क से जुड़ा थौलधार का डंडी गांव

कंडीसौड़ (टिहरी)। थौलधार ब्लॉक की ग्राम पंचायत डंडी सड़क मार्ग से जुड़ गया है। क्षेत्रीय विधायक प्रीतम सिंह पंवार, ब्लॉक प्रमुख सुरेंद्र सिंह भंडारी ने नवनिर्मित मोटर मार्ग का लोकार्पण किया। डंडी गांव को सड़क सुविधा से जोड़ने के लिए विधायक निधि से लगभग डेढ़ किलोमीटर मोटर मार्ग का निर्माण कराया गया। इसके लिए विधायक निधि से दो लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई थी। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क बनने से अब गांव तक आवागमन आसान होगा और दैनिक जरूरतों के साथ कृषि एवं अन्य कार्यों में भी सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर विधायक पंवार ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए लगातार कार्य कर रही है।

छुट्टियां खत्म होते ही शहरों की ओर भागे लोग

ऋषिकेश। गर्मियों की छुट्टी में गांव में आए लोग अब शहरों की ओर जाने लगे हैं। इससे रोडवेज बस अड्डे पर देर रात से सोमवार पांच बजे तक यात्रियों की भीड़ लगी रही । जो भी बस आ रही थी यात्री उसी बस में बैठकर अपने गंतव्य की ओर से जा रहे थे। सबसे ज्यादा भीड़ दिल्ली, चंडीगढ़ और बरेली जाने वालों की रही।

एक जुलाई को स्कूल खुल रहे हैं। एक माह पहले कई लोग अपने बच्चों को लेकर अपने गांव, नानी के गांव गए थे। स्कूल खुलने से पहले हर कोई अपने शहर में जा रहा है। पर्वतीय क्षेत्रों से जो भी बसें और टैक्सी, मैक्स आ रही थी, वह फुल होकर आ रही थी।

दिल्ली, बरेली और चंडीगढ़ रूट की जो भी बस आ रही थी, यात्री उसी बस के पीछे दौड़ रहे थे। यात्रियों की भीड़ बढ़ने पर रोडवेज डिपो से अतिरिक्त बसें देहरादून और हरिद्वार भेजी गईं। वहीं कुछ बसों के फेरे बढ़ाए गए। दिल्ली जाने वाली बसें अन्य दिनों के मुकाबले तुरंत भर रही थीं।

वहीं बरेली जाने वाले कुछ यात्रियों ने उत्तराखंड परिवहन निगम की बसों से हरिद्वार तक सफर किया। कुछ लोगों ने यूपी रोडवेज की मुरादाबाद जा रही बसों से सफर किया। चंडीगढ़, अंबाला, पानीपत जाने वाले यात्रियों ने देहरादून तक रोडवेज बसों से सफर किया।

एक नजर

तीर्थयात्रियों की कार पर गिरा बोल्डर, हादसा टला

श्रीनगर गढ़वाल : बदरीनाथ जा रहे तीर्थयात्रियों की कार पर ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे पर महादेव चट्टी के पास ऊपर बोल्डर गिर गया। गनीमत रही कि बोल्डर कार के अगले हिस्से पर गिरा जिससे बड़ा हादसा होने से बच गया। बछेलीखाल पुलिस के अनुसान चालक रवि शंकर सैनी, रेनू सैनी, नेहल सैनी, मंजूशा सैनी गंग नहर रुड़की हरिद्वार कार से बदरीनाथ धाम के दर्शन के लिए जा रहे थे। जैसे ही उनकी कार महादेव चट्टी के समीप पहुंची तभी पहाड़ी से अचानक एक बोल्डर सीधे कार के आगे आ गिरा। कार के आगे का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, लेकिन वाहन में सवार एक ही परिवार के चारों लोगों को कोई चोट नहीं आई। इस हादसे के बाद सहमे लोग बदरीनाथ न जाकर घर के लिए रवाना हो गए। (एजेंसी)

बेस अस्पताल में बढ़े उल्टी-दस्त व डायरिया के मरीज

कोटद्वार का राजकीय बेस चिकित्सालय जहां इन दिनों मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है।

लगातार बढ़ रही गर्मी व उमस के बाद बिगड़ रही हालत

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भीषण गर्मी के बीच राजकीय बेस चिकित्सालय में उल्टी-दस्त के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। प्रतिदिन चिकित्सालय पहुंचने वाले पांच-छः सौ मरीजों में से सौ-डेढ़ सौ मरीज उन्ल्टी–दस्त से पीड़ित हैं। चिकित्सक भी मरीज व उनके तीमारदारों को धूप व लू से बचने की सलाह दे रहे हैं। वहीं, क्षेत्र के निजी अस्पतालों में भी मरीजों की संख्या में इजाफा देखने को मिल रहा है।

गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में लगातार गर्मी का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। पिछले चार दिन से तापमान 38 से 40 डिग्री सेंटीग्रेड के पार पहुंच रहा है। ऐसे में शरीर को झुलसाने वाली धूप व लू के थपेड़े आमजन की सेहत को बिगाड़ने लगे हैं। सुबह से अस्पताल में ओपीडी की पर्ची बनवाने वालों की लंबी-लंबी लाइनें नजर आ रही हैं। अस्पताल में अधिकांश मरीज उल्टी-दस्त, डायरिया व बुखार के पहुंच रहे हैं। बेस चिकित्सालय के वरिष्ठ फिजीशियन डा. जेसी ध्यानी मरीजों को गर्मी के मौसम में सावधान रहने की सलाह दे रहे हैं। चिकित्सक का कहना है कि ऐसे मौसम में खानपान पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। साथ ही बुजुर्ग व बच्चों को तेज धूप में घर से बाहर निकलने से परहेज करना चाहिए। गर्मी का प्रकोप बच्चों पर भी भारी पड़ रहा है। अधिकांश बच्चों में उल्टी, दस्त के साथ ही पेट दर्द की समस्या सामने आ रही हैं। चिकित्सकों की माने तो ऐसे मौसम में बच्चों को फास्टफूड व बाहर के खाने से परहेज करना चाहिए।

इनका रखे ध्यान

1. बाहर धूप से आकर तुरंत ठंडा पानी न पीएं
2. ताजा खाना खाएं व बासी खाने से परहेज करें
3. धूप में सिर को कपड़े से ढक कर ही बाहर निकलें
4. फास्टफूड खाने से परहेज करें
5. अधिक से अधिक पानी पीएं

सीला गांव तक जल्द पहुंचेगी पक्की सड़क, 1.73 करोड़ से होगा डामरीकरण

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : यमकेश्वर विधानसभा क्षेत्र के सीला गांव को जल्द पक्की सड़क की सुविधा मिलने जा रही है। जिला योजना के तहत 1.73 करोड़ रूपये की लागत से फुलणसैंण-सीला-बरस्वार-चुंडई मोटर मार्ग के 2.25 किलोमीटर हिस्से के डामरीकरण और सुधार कार्य की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सीला गांव तक पहुंचने के लिए लंबे समय तक ग्रामीणों को केवल पैदल मार्ग का सहारा लेना पड़ता था। वर्ष 2004-05 में फुलणसैंण से सीला, बरस्वार और चुंडई तक मोटर मार्ग का निर्माण तो हुआ, लेकिन यमकेश्वर विधानसभा क्षेत्र के करीब 2.25 किलोमीटर हिस्से का डामरीकरण नहीं हो पाया। इसके कारण ग्रामीण वर्षों से कच्ची और जर्जर सड़क पर आवाजाही करने को मजबूर हैं, जबकि लैंसडौन विधानसभा क्षेत्र का हिस्सा पहले ही पक्का किया जा चुका है। यह मोटर मार्ग दुगड्डा ब्लॉक के सीला गांव के अलावा जयहरीखाल और रिखणीखाल ब्लॉक के कई गांवों को भी जोड़ता है। सीला के समीप सड़क कच्ची होने से स्थानीय लोगों और वाहन चालकों को रोजाना जोखिम उठाना पड़ता है। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के अनुसार, डामरीकरण से पहले सड़क की कटिंग, स्कपरों की मरम्मत और क्षतिग्रस्त पुश्तों का निर्माण कराया जाएगा। बरसात के दौरान प्रारंभिक कार्य पूरे किए जाएंगे, जबकि मानसून समाप्त होने के बाद डामरीकरण शुरू होगा। ग्राम प्रधान किरण देवी ने कहा कि ग्रामीण लंबे समय से पक्की सड़क की मांग कर रहे हैं। पहले भी निर्माण कार्य शुरु हुआ था, लेकिन अधूरा रह गया। इस बार उम्मीद है कि कार्य समय पर पूरा होगा। स्थानीय ग्रामीण सुधीर असवाल ने बताया कि दशकों से लोग कच्ची सड़क पर सफर करने को मजबूर हैं। पहले डामरीकरण का प्रयास हुआ था, लेकिन काम पूरा नहीं हो पाया। अब ग्रामीणों को उम्मीद है कि इस बार सड़क निर्माण का सपना साकार होगा।

कांग्रेसियों ने गढ़वाल आयुक्त को सौंपा ज्ञापन, समस्याओं के निराकरण की मांग

गढ़वाल आयुक्त आंनद स्वरुप को ज्ञापन सौंपते हुए युवा कांग्रेस के पदाधिकारी।

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : सोमवार को आयुक्त कैम्प कार्यालय में गढ़वाल आयुक्त आंनद स्वरुप से युवा कांग्रेस पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने मुलाकात कर समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन सौंपते हुए राष्ट्रीय संयोजक युवा कांग्रेस मोहित सिंह ने कहा कि गुमखाल-सतपुली के बीच चल रहे चौड़ीकरण कार्य चल रहा है। कार्य के दौरान कार्यदायी संस्थाओं की लापरवाही के कारण कई लोगों की जान जा चुकी है। कहा कि चौड़ीकरण के कार्यों में सम्बंधित विभाग राष्ट्रीय राजमार्ग और निर्माण कार्य करने वाली कम्पनी की लापरवाही, हठधर्मिता और अव्यवस्थाओं के कारण लोगों की मौत का रास्ता बन गया है। गत रविवार को भी बोल्डर गिरने से एक व्यक्ति की मौत हुई है और तीन लोग घायल हुए है। उन्होंने कहा कि कार्यदायी संस्थाओं पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की जानी चाहिए। उन्होंने सड़क के दोनों ओर अटके बोल्डरों को हटाने, सड़क पर फैलाये गये मलबा, पत्थरों को हटाने व वैकल्पिक मार्ग जयहरीखाल-मैंदोली-रैतपुर-सतपुली को आवागमन और आवश्यक सेवाओं के लिए अविलंब दुरस्त करने की मांग की। साथ ही ठेकेदार, कम्पनी एवं राष्ट्रीय राजमार्ग द्वारा की गई अव्यवस्थाओं पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की। गढ़वाल आयुक्त आंनद स्वरूप ने आश्वासन दिया कि वह अधिकारियों से वार्ता कर जल्द ही इस पर कार्यवाही करेगें। इस मौके पर राष्ट्रीय संयोजक युवा कांग्रेस मोहित सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष युवा कांग्रेस आशीष नेगी, प्रदेश सचिव एनएसयूआई मुकुल कुमार, युवा कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष आयुष थपलियाल, आयुष आदि मौजूद रहे।

रोटरी क्लब की नई कार्यकारिणी घोषित, प्रतिभा गुप्ता बनी अध्यक्ष

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : रोटरी क्लब कोटद्वार की बैठक में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से प्रतिभा गुप्ता को अध्यक्ष व वीना रावत को सचिव चुना गया। नई कार्यकारिणी एक जुलाई से अपना कार्यभार संभालेगी। जनसंपर्क अधिकारी गोपाल चंद्र बंसल ने बताया कि नई कार्यकारिणी में विजय कुमार को उपाध्यक्ष, राजेश गुप्ता को उपसचिव, धनेश अग्रवाल को कोषाध्यक्ष, नितिन अग्रवाल को सार्जेट एट आर्म्स, वाईपी गिलरा को क्लब काउंसलर, अनीत चावला को क्लब ट्रेनर, कुलदीप अग्रवाल को क्लब कोऑर्डिनेटर, शरत चंद्र गुप्ता को क्लब एडमिन व डीपी सिंह को वर्ष 2027-28 का मनोनीत अध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा अमित अग्रवाल को क्लब सर्विस, संजीव अग्रवाल को वोकेशनल सर्विस, मनीष अग्रवाल को सामुदायिक सेवा, ज्योति स्वरूप उपाध्याय को यूथ सर्विस, कमल गुप्ता को रोटरी फाउंडेशन, अनिल कुमार भोला को अंतरराष्ट्रीय सेवा, अनुराग अग्रवाल को वाटर कंजर्वेशन, गोपाल चंद्र बंसल को पब्लिक

नवनियुक्त अध्यक्ष प्रतिभा गुप्ता

इमेज, सचिन गोयल को सोशल मीडिया, अशोक अग्रवाल को मेंबरशिप डेवलपमेंट तथा गुरुबचन सिंह को डिजीज प्रिवेंशन एंड ट्रीटमेंट सर्विस की जिम्मेदारी सौंपी गई। विपिन बक्शी और डॉ. विजय मैठानी को निदेशक बनाया गया। वर्ष 2026-27 में मंडल 3100 की मंडलाध्यक्ष पायल गौड़ होंगी। नवनियुक्त अध्यक्ष प्रतिभा गुप्ता ने क्लब के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अध्यक्ष पद केवल एक दायित्व नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और सामाजिक सरोकारों को आगे बढ़ाने का अवसर है। उन्होंने कहा कि रोटरी का उद्देश्य केवल कार्यक्रम आयोजित करना नहीं, बल्कि जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाना है। नवनियुक्त सचिव वीना रावत ने बताया कि आगामी वर्ष में विद्यालयों में कंप्यूटर, वाटर कूलर और सैनिटरी नैपकिन मशीनें उपलब्ध कराने, स्वास्थ्य एवं रक्तदान शिविर आयोजित करने, पर्यावरण संरक्षण, सड़क सुरक्षा और अंगदान के प्रति जागरूकता अभियान चलाने सहित कई जनहित के कार्य किए जाएंगे। बैठक में निवर्तमान अध्यक्ष ऋषि ऐरन, सचिव विजय कुमार, कोषाध्यक्ष धनेश अग्रवाल, वाईपी गिलरा, पिन बक्शी, गोपाल चंद्र बंसल, अमित अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, अनिल भोला, डीपी सिंह, प्रतिभा गुप्ता, वीना रावत, राजेश गुप्ता, कमल गुप्ता, नितिन अग्रवाल, डॉ. विजय मैठानी सहित क्लब के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

ग्रामीणों ने दी विधानसभा चुनाव के बहिष्कार की चेतावनी

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : कल्जीखाल ब्लॉक के घंडियालधार-कुनकली-अलासू-बहेड़ाखाल संपर्क मार्ग का लंबे समय से डामरीकरण नहीं होने पर ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि दस साल बाद भी मार्ग का डामरीकरण नहीं हो पाया है, जिस कारण ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने जल्द मार्ग का डामरीकरण नहीं होने पर आगामी विधानसभा चुनाव के बहिष्कार की चेतावनी दी है।

सोमवार को स्थानीय ग्रामीण कर्मवीर सिंह रावत, लक्ष्मण सिंह असवाल, धन सिंह नेगी, अर्जुन सिंह नेगी, नरेश चंद्र थपलियाल ने एडीएम को ज्ञापन दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि 2016 में इस संपर्क मार्ग का निर्माण किया गया, लेकिन 10 साल का समय होने के बाद भी मार्ग का डामरीकरण नहीं हो पाया है। मार्ग पर जगह-जगह बड़े बड़े गड्ढें व मलबा आने से हर समय दुर्घटना होने का भय बना रहता है। वहीं, पैदल वाले मार्ग से आवाजाही करने में हर समय जंगली जानवर के हमले का खतरा रहता है। यातायात की सही व्यवस्था नहीं होने से क्षेत्र से लगातार पलायन हो रहा है।

पेड़ पर अटकी कार से भाई-बहन को पुलिस ने सकुशल निकाला

दुर्घटना के बाद घायलों को निकालती पुलिस

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कोटद्वार-पुलिंडा मार्ग पर सोमवार को एक स्विफ्ट कार दुर्घटनाग्रस्त होकर सड़क से नीचे खाई की ओर पेड़ पर अटक गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान चलाकर कार में फंसे भाई-बहन को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

पुलिस के अनुसार, प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। मुख्य सड़क राष्ट्रीय राजमार्ग से करीब चार किलोमीटर पुलिंडा की ओर एक स्विफ्ट कार खाई में पेड़ पर अटकी हुई मिली। कार में धामपुर, जनपद बिजनौर निवासी 20 वर्षीय निखिल कुमार उर्फ लक्की पुत्र मदनपाल और 17 वर्षीय गरिमा सैनी पुत्री गोपाल सैनी सवार थे। पुलिस ने थाना मोबाइल में मौजूद रस्सियों की मदद से पहले वाहन को अन्य पेड़ों और वाहनों से सुरक्षित बांधा। इसके बाद पुलिस टीम ने दोनों को कार से बाहर निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। हादसे में दोनों को मामूली चोटें आई हैं। दुर्घटनाग्रस्त वाहन अभी भी खाई में फंसा हुआ है।

जलजनित बीमारियों की चपेट में आ रहे लोग

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : दूषित पानी की आपूर्ति से इन दिनों लोग जलजनित बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। सोमवार को जिला अस्पताल की ओपीडी में 350 से अधिक लोगों ने पंजीकरण करवाया। फिजीशियन के पास सर्वाधिक 120 से अधिक लोगों ने जांच कराई। चिकित्सकों ने लोगों को स्वच्छ व उबला पानी पीने, संतुलित पोषाहार लेने और फास्ट फूड से बचने की सलाह दी है। सीएमओ इन दिनों प्रशासनिक जिम्मेदारियों के साथ ही जिला अस्पताल में अल्ट्रासाउंड की कमान भी संभाल रहे हैं।

जिला अस्पताल में मौसमी बीमारियों की चपेट में आने से विशेषज्ञ चिकित्सकों के कक्ष के बाहर उपचार पाने के लिए सुबह से ही लोगों की भीड़ लगी रही। एक फिजीशियन के अवकाश पर जाने से अस्पताल में एक ही रह गए हैं। ऐसे में मरीजों की लाइन लग रही है। फिजीशियन के पास सर्वाधिक 120 से अधिक लोगों ने जांच कराई। फिजीशियन डॉ. सुनील शर्मा ने बताया कि इन दिनों जलजनित बीमारियों के चलते सभी वर्गों के लोग बीमार हैं। इनमें भी टायफाइड, बुखार, खांसी के मामले सबसे अधिक हैं। उन्होंने लोगों को स्वच्छ व उबला पानी पीने, संतुलित पोषाहार लेने और फास्ट फूड से बचने की सलाह दी है। वहीं पीड़ित नरेंद्र रावत ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से खांसी होने से गुला दर्द हो रहा है। सीएमओ डॉ. शिव मोहन शुक्ला इन दिनों प्रशासनिक जिम्मेदारियों के साथ ही जिला अस्पताल में अल्ट्रासाउंड की कमान भी संभाल रहे हैं। रेडियोलॉजिस्ट डॉ. सुनील त्यागी के अवकाश पर होने के चलते सीएमओ डॉ. शुक्ला हर दिन अल्ट्रासाउंड कर लोगों को लाभ पहुंचा रहे हैं। सोमवार को भी सीएमओ ने सुबह 9 से 10.30 बजे तक जिला अस्पताल में अल्ट्रासाउंड किए। उन्होंने नौ गर्भवतियों समेत 25 के अल्ट्रासाउंड किए।

बस और कार की टक्कर में एक घायल

श्रीनगर गढ़वाल : कोतवाली कीर्तिनगर के अंतर्गत कैलाश होटल के पास एक बस व कार की आमने–सामने टक्कर हो गई। हादसे में कार चालक विकास कुमार निवासी सौर तल्ला पौड़ी गढ़वाल घायल हो गया, जिसे निजी वाहन से बेस अस्पताल श्रीकोट भेजा गया। कोतवाली पुलिस के अनुसार बस में सवार करीब 32 लोग सुरक्षित हैं। बस यात्रियों को अन्य वाहनों से अपने–अपने गंतव्य के लिए भेजा गया। टक्कर में दोनों वाहनों को नुकसान हुआ है। (एजेंसी)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र शक्ति किरण मेरे कहने सुनने में नहीं तथा नशे का आदी है तथा आये दिन मुझसे व परिवार से वाद-विवाद करता रहता है। मैं अपने पुत्र से सम्बन्ध विच्छेद करता हूं। भविष्य में उस-के द्वारा किए गये किसी भी कृत्य के लिए मैं तथा मेरा परिवार जिम्मेदार नहीं रहेगा।

संजय किरन पुत्र स्व0 हरदयाल सिंह निवासी सिमलचौड, पट्टी सुखरौ, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(0544/21)

जल संस्थान कार्यालय परिसर में किया प्रदर्शन

श्रीनगर गढ़वाल : जनसमस्याओं की अनदेखी का आरोप लगाते हुए नगर निगम के वार्ड-18 के लोगों ने भाजपा पार्षद झाबर सिंह रावत के नेतृत्व में सोमवार से जल संस्थान कार्यालय परिसर के प्रदर्शन कर धरना शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने मांगें पूरी नहीं होने तक आंदोलन की चेतावनी दी। पार्षद झाबर सिंह ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र की नालियों से गुजर रही पेयजल लाइन को हटाकर भूमिगत करने, रामलीला मैदान चौराहे से पाण्डेय गली तक स्थानीय निवासियों के लिए अलग पेयजल लाइन बिछाने, रामलीला मैदान चौराहे पर पुरानी पानी की टंकी के स्थान पर नई टंकी का निर्माण कराना आदि है। उन्होंने कहा कि यदि विभाग ने शीघ्र समाधान नहीं किया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस मौके पर राज्य आंदोलनकारी उम्मेद सिंह मेहरा, प्रवीण अग्रवाल, देवेश्वरी बिष्ट, गीता बिष्ट, पूनम रावत आदि मौजूद रहे। पार्षद रावत ने बताया कि दोपहर बाद जल संस्थान के सहायक अभियंता अर्पित मित्तल ने उन्हें दूरभाष पर काम शुरू कराने की बात कही। पार्षद ने कहा कि जब तक मांगों के संबंध में उन्हें लिखित आश्वासन नहीं मिलता उनका धरना जारी रहेगा। वहीं मेयर आरती भंडारी ने मौके पर पहुंचकर धरने पर बैठे भाजपा पार्षद झाबर सिंह रावत व स्थानीय लोगों से बात की। मेयर ने जल संस्थान के अधिकारियों को क्षेत्र की सभी नालियों से गुजर रही पेयजल लाइनों को तत्काल हटाकर भूमिगत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नालियों के भीतर या ऊपर बिछी पाइपलाइनों से सीधे तौर पर नालियां चोक होती हैं। साथ ही पेयजल की गुणवत्ता भी प्रभावित होती है। कहा कि यदि जल संस्थान समय से समाधान नहीं करता तो वह स्वयं इस कार्य को प्राथमिकता पर करवाने के लिए आगे आएंगी। (एजेंसी)

पुरानी पेंशन बहाली व टीईटी की अनिवार्यता समाप्त करने के लिए करेंगे संघर्ष

आयोजित बैठक में भाग लेते संगठन के सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली आंदोलन संगठन की ओर से पुरानी पेंशन बहाली और टीईटी की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग को लेकर विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में आंदोलन को तेज करने और आगामी रणनीति तय करने पर विस्तार से चर्चा की गई।

राजकीय इंटर कॉलेज, कोटद्वार में जिलाध्यक्ष अनूप जदली की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में वक्ताओं ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली और टीईटी की अनिवार्यता समाप्त कराने के लिए अब निर्णायक संघर्ष का समय आ गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार एनपीएस, यूपीएस और टीईटी जैसी व्यवस्थाओं को कर्मचारियों पर थोप रही है, जिसका देशभर में विरोध हो रहा है। जिलाध्यक्ष अनूप जदली ने कहा कि प्रदेशभर के कर्मचारी ब्लॉक, तहसील, जिला और प्रांतीय स्तर पर आंदोलन को और अधिक मजबूत करेंगे तथा अपनी मांगों के समर्थन में चरणबद्ध तरीके से संघर्ष करेंगे। बैठक का संचालन अनिल कोटनाला ने किया। इस अवसर पर राजकीय शिक्षक संघ के मंडलीय मंत्री एवं पुरानी पेंशन आंदोलन के जिला संरक्षक मनमोहन चौहान, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजय बिष्ट, उद्यान विभाग से गोपीचंद्र विधूड़ी तथा वन विभाग के मंडलीय अध्यक्ष शेखर जोशी सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

कार्यालय नगर पंचायत सतपुली, पौड़ी गढ़वाल

संख्या-194/ न0प0स0/2025-26/नि0सू0/ दिनांक 29 जून 2026

निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत सतपुली के द्वारा अपने पंजीकृत ठेकेदारों से नगर पंचायत सतपुली के अन्तर्गत विभिन्न वार्डों में होने वाले निर्माण कार्यों की निविदायें दिनांक 14.07.2026 को 3.00 बजे अपह्रान तक आमंत्रित की जाती है। जो कि दिनांक 14.07.2026 को समय 4.00 बजे अपह्रान को निविदादाताओं एवं अधोहस्ताक्षरी / गठित चयन समिति के सम्मुख खोली जायेगी, निविदा प्रपत्र दिनांक 13.7.2026 को 02 बजे तक निर्धारित निविदा मूल्य अदा कर क्रय किये जा सकतें है। कार्य की निविदा के साथ कार्य की लागत का 3% प्रतिशत धनराशि बतौर धरोहर के रूप में सी0डी0आर0/एफ0डी0आर0 जो कि अधिशासी अधिकारी के नाम बन्धक हो लगानी अनिवार्य होगी। बिना धरोहर धनराशि वाली निविदा पर किसी भी प्रकार से कोई विचार नहीं किया जायेगा। किसी भी निविदा या समस्त निविदा को बिना किसी कारण बताये निरस्त / स्थगित करनें का अधिकार अधोहस्ताक्षरी / गठित चयन समिति को सुरक्षित रहेगा। अन्य शर्त व सूचना को किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय में देखी जा सकती है।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	कार्य की आंगणन की लागत जी0एस0टी0 सहित	धरोहर धनराशि	वैधता	निविदा मुल्य 18 प्रतिशत जी0एस0टी0 सहित	पंजीयन श्रेणी
1	नगर पंचायत सतपुली के वार्ड न0 02 में पेट्रोल पम्प से कुकरेती बैंड के पास सार्वजनिक शौचालय का नवनिर्माण कार्य।	रू 10.40 लाख	31,200	45	3540	ए
2	नगर पंचायत सतपुली के अंतर्गत वार्ड नं0 04 में ग्राम ढौडियार में स्थित भैरव मंदिर सौदर्यीकरण।	रू 13.99 लाख	42,000	45	3540	ए

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत सतपुली

अध्यक्ष
नगर पंचायत सतपुली
पौड़ी गढ़वाल

(0276/51)

संपादकीय

मानसून सजीवनी तो विनाशक भी

उत्तराखंड में मानसून जल्दी पूरे राज्य को सराबोर करने वाला है। हमेशा की तरह इस बार भी कई चुनौतियां सामने आएंगी और इन्हीं संभावनाओं के चलते इसके लिए शासन स्तर पर पहले से ही तैयारी शुरू कर दी गई है ।उम्मीद की जाती है कि प्राकृतिक आपदाओं से काफी हद तक लोगों को सुरक्षित रखा जा सकेगा। मानसून उत्तराखंड के लिए वरदान भी है और चुनौती भी। हिमालयी राज्य होने के कारण यहां मानसून का प्रभाव मैदानों की तुलना में कहीं अधिक गहरा पड़ता है। एक ओर यह राज्य की कृषि, जल स्रोतों और पर्यावरण को जीवन देता है, तो दूसरी ओर बाढ़, भूस्खलन और बादल फटने जैसी आपदाओं का कारण भी बनता है। ऐसा नहीं है कि हमेशा मानसून की बारिश उत्तराखंड में आपदा ही बरसती है बल्कि यह यहां की धरती और नदियों के लिए भी एक वरदान है। उत्तराखंड की अधिकांश कृषि वर्षा पर निर्भर है। मानसून की बारिश स्थानीय फसलों धान, मक्का, मंडुवा और अन्य फसलों के लिए प्रचुर पानी उपलब्ध कराती है। जहां किसानों की आय बढ़ती है तो वहीं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है। वर्षा से नदियां, झीलें, प्राकृतिक जलधाराएं और भूजल स्रोत भी अपने मूल स्वरूप में आते हैं, जिससे पूरे वर्ष पेयजल और सिंचाई की व्यवस्था बनी रहती है। इसके अलावा हरियाली बढ़ने से वन्यजीवों और जैव विविधता को भी लाभ मिलता है। जहां यह वरदान साबित होती है तो अक्सर अपने साथ कई आपदाएं भी लेकर आती है जिसे पहाड़ी और मैदानी क्षेत्र के लोग बड़े स्तर पर प्रभावित होते हैं। उत्तराखंड की पर्वतीय भौगोलिक संरचना ऐसी है कि बरसात कई बार खतरनाक बना देती है। केदारनाथ और थराली जैसी घटना इसका एक प्रत्यय उदाहरण है। भारी वर्षा के कारण भूस्खलन, सड़क अवरोध, बादल फटना और अचानक बाढ़ जैसी घटनाएं होती हैं। पिछले वर्षों में मानसूनी आपदाओं से जान–माल का भारी नुकसान हुआ है तथा सड़क, पुल और अन्य बुनियादी ढांचे को गंभीर क्षति पहुंची है। कई क्षेत्रों में लोगों को विस्थापन और आर्थिक संकट का सामना करना पड़ता है। उत्तराखंड के लोगों ने प्राकृतिक आपदा के साथ जीना सीख लिया है और वह भी भलीभांति जानते हैं की मानसून के दौरान कभी भी कोई अप्रिय घटना घटित हो जाती है। उत्तराखंड सरकार ने भी राज्य के लोगों को प्राकृतिक आपदा से बचने के लिए एसडीआरएफ के साथ–साथ अन्य आपदा राहत व्यवस्थाओं को सुदृढ़ किया है और समय–समय पर मौसम को लेकर अपडेट संवेदनशील क्षेत्रों में प्रसारित किया जाता है। पहाड़ी क्षेत्रों में स्थानीय लोगों को भी आपदा के दौरान भारती जाने वाली सावधानियां और राहत कार्यों के लिए प्रशिक्षित करने की योजना चलाई गई है ताकि नुकसान को काम करने के साथ–साथ अधिक से अधिक संख्या में जनहानि रोकी जा सके। ग्रीष्म ऋतु के दौरान आसमान से बरसाती आज पर मानसून की बारिश मरहम का काम करती है और प्राकृतिक संतुलन को भी नियंत्रित करती है। भारत की विशेषता है कि यहां कई मौसमों का सम्मिश्रण है लेकिन गर्मी हो या बरसात अक्सर ऐसे मौसम के दुष्परिणाम भी लोगों को झेलने पड़ते हैं। मानसून के दौरान और उससे पहले शासन के साथ–साथ स्थानीय लोगों को भी अपनी जिम्मेदारियां के प्रति सतर्क रहना चाहिए ताकि आपसी समन्वय से हानि के स्तर को काम किया जा सके।

सेशेल्स का सर्वोच्च नागरिक सम्मान, मोदी के नाम

सनत जैन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सेशेल्स की यात्रा के दौरान वहां के सर्वोच्च नागरिक सम्मान गार्जियन ऑफ ब्लू होराइजन से सम्मानित किया गया है। भारतीय प्रधानमंत्री वहां के राष्ट्रीय दिवस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए वहां पहुंचे थे। इसके साथ ही पीएम मोदी भारत के पहले प्रधानमंत्री बन गए, जिन्हें अभी तक 34 देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस यात्रा और इस सम्मान को लेकर विवादों का पिटारा भी भारत में खुलता हुआ नजर आ रहा है। सेशेल्स टैक्स हेवन देश है। इस देश की आबादी मात्र 1.1 लाख है। यह अफ्रीका का सबसे छोटा टापू है। इसका कुल क्षेत्रफल 459 वर्ग किलोमीटर है। इसकी गिनती समृद्ध देश के रूप में होती है। इसकी अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से टैक्स हैवन देश के रूप में है। यह देश मत्स्य पालन, पर्यटन और वित्तीय सेवाओं के लिए सारी दुनिया के देशों में पहचाना जाता है। यहां पर मुश्किल से 7 से 8000 भारतीय रहते हैं। इसमें से कुछ वर्षों में लगभग 2000 भारतीयों ने यहां की नागरिकता ली है। शेष भारतीय यहां पर जन्मजात रह रहे हैं। पनामा पेपर लीक में भी इस देश का नाम आया था। उस समय भी इसमें भारतीय नागरिकों के नाम थे। जिन्होंने अपना काला धन वहां जमा किया था। 2014 में जब केंद्र की सरकार बदली, उसके बाद यह माना जा रहा था, सरकार काला धन वापस लाने के लिए विशेष प्रयास करेगी। मोदी सरकार ने पनामा पेपर लीक मामले में जिन लोगों के नाम शामिल थे। 2014 के लोकसभा चुनाव में कालाधन बड़ा चुनावी मुद्दा था। इस समय नरेन्द्र मोदी ने विदेशों में जमा कालाधन वापिस लाने का वायदा किया था। यह भी कहा था, हर परिवार को 15 लाख रूपया यों ही मिल जाएंगे। सेशेल्स जैसे देश से भारतीयों का जमा कालाधन वापस लाने का कोई प्रयास मोदी सरकार ने नहीं किया। उल्टे विगत वर्षों में जिस तरह से टैक्स हेवन देशों का पैसा भारत के शेयर बाजार एवं कारोबार में निवेश किया गया है, उसको लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। इस मामले में विनोद अडानी का नाम भी सामने आया था। सेबी और सरकार ने इस मामले को ठंडे बस्ते में बंद कर के रखा है।

इतने छोटे से देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जाना, लगभग तीन दिन तक रुकना, भारत में चर्चा का विषय बन गया है। भारत सरकार का कहना है, सेशेल्स हिंद महासागर का हिस्सा है। समुद्र का एक छोटा द्वीप होते हुए भी भारत के लिए सामरिक और समुद्री व्यापार के लिए उसका बड़ा महत्व है। भारत सरकार पिछले कुछ वर्षों से सेशल्स को जरूरत से ज्यादा तवज्जो दे रही है। पनामा पेपर लीक मामले तथा शेयर बाजार में निवेश को लेकर कई आरोप सामने आ चुके हैं। भारत सरकार ने इस पर चुप्पी साध रखी है। भारत में मोदी सरकार के लिए कई चुनौतियां सामने हैं। अयोध्या के राम मंदिर दान एवं चढ़ावे का मामला इस समय चरम पर है। कुछ ही दिनों बाद मानसून सत्र शुरू होने जा रहा है। कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन शुरू हो गए हैं। विपक्ष बहुत आक्रामक है, मंत्रिमंडल का पुनर्गठन होना है। ऐसी स्थिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सेशेल्स जाना विवादों में आ गया है। उन्हें जो सर्वोच्च सम्मान दिया गया है, उसमें स्पेलिंग मिस्टेक और पहली बार नया सम्मान दिए जाने के कारण राजनीतिक क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है। एक छोटे से टैक्स हेवन देश की यह यात्रा, प्रधानमंत्री मोदी के लिए आगे चलकर कहीं कोई कठिनाई उत्पन्न ना कर दे, इसको लेकर तरह-तरह की आशंकायें व्यक्त की जा रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कोई भी काम करें, उन्हें किसी भी स्तर पर कोई नुकसान हो, यह संभव नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विरोध करने वालों की संख्या कम नहीं है। इस तरह के विरोध होते ही रहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी इस तरह के विरोध पर जरा भी ध्यान नहीं देते हैं। सेशेल्स यात्रा को लेकर जो विवाद उत्पन्न किया जा रहा है, इसका असर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को किसी तरह के नुकसान के रूप में होगा, यह संभव ही नहीं है।

स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती है नकली दवाओं का कारोबार

मनोज कुमार अग्रवाल

आज कल देश के हर हिस्से में बड़र पैमाने पर नकली गैर मानक दवाओं के निर्माण और विपणन का धंधा चल रहा है आपको बता दें कि भारत को विश्व का तीसरा सबसे बड़ा दवा निमार्ता होने के कारण इसे विश्व की फामेर्सी भी कहा जाता है। यहां विश्व की 60 प्रतिशत वैक्सीन और 20 प्रतिशत जैनेरिक दवाएं बनती हैं परंतु इनमें मिलावट का धंधा तेजी पकड़ रहा है। प्राण रक्षक दवाएं भी मिलावटी एवं नकली बनने लगी हैं।थोड़ा सा अधिक कमाई करने के चक्कर में बहुत से दवा निमार्ता देश मे गैर मानकीकृत स्तर
की दवा का निर्माण और निर्यात कर रहे हैं।

नकली दवाओं का अवैध कारोबार एक गंभीर वैश्विक संकट है जो मरीजों की जान जोखिम में डालता है और पूरी स्वास्थ्य प्रणाली को नुकसान पहुंचाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, ऐसी दवाएं जिनमें असली साल्ट या सक्रिय सामग्री नहीं होती या गलत मात्रा में होती हैं, वे नकली दवाओं के अंतर्गत आती हैं। एक अनुमान के मुताबिक, वैश्विक दवा बाजार का लगभग 10% हिस्सा नकली दवाओं से प्रभावित है। इसमें जीवन रक्षक दवाएं (कैंसर, लिवर रोग), एंटीबायोटिक्स, दर्द निवारक और जीवनशैली से जुड़ी दवाएं शामिल हैं। ड्रग सिंडिकेट्स अवैध फैक्ट्रियों में खतरनाक रसायनों का उपयोग करके असली जैसी दिखने वाली पैकेजिंग तैयार करते हैं ये दवाएं पारंपरिक थोक बाजारों के साथ-साथ अनधिकृत ऑनलाइन फार्मेसियों के माध्यम से भी बेची जा रही हैं। एंटीबायोटिक या गंभीर बीमारियों की दवाओं में मुख्य सामग्री न होने से मरीज ठीक नहीं हो पाता। कुछ मामलों में इनमें चूहे मारने का जहर, पेंट थिनर, चाक मिट्टी या भारी मात्रा में फेंटानिल मिला दिया जाता है। दूषित रसायनों के कारण किडनी, लिवर फेल होना या अचानक मौत होने का अत्यधिक खतरा रहता है।

आपको बता दें कि पिछले कुछ समय के दौरान घटिया व नकली दवाओं के सेवन से भारत तथा विश्व के चंद देशों में मौतों के कारण भारत की प्रतिष्ठा को धक्का लगा है। इसके बाद केंद्र सरकार ने घटिया और नकली दवाओं पर रोक लगाने और दवाओं की गुणवत्ता जांचने तथा उनके असली या नकली होने का पता लगाने के लिए दवाएं बनाने वाली इकाइयों की जांच शुरू कर रखी है।इसी श्रृंखला में केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सी.डी.एस.सी.ओ.) ने मई, 2026 के लिए जारी मासिक गुणवत्ता निगरानी रिपोर्ट में बताया है कि देश भर में 159 दवा नमूने गुणवत्ता मानकों पर खरे नहीं उतरे।

सी.डी.एस.सी.ओ. के अनुसार केंद्रीय औषधि प्रयोग शालाओं ने 46 दवा नमूनों को नॉट आफ स्टैंडर्ड क्वालिटी (एन.एस. क्यू.) घोषित किया जबकि विभिन्न राज्यों
की औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं ने 113 नमूनों को गुणवत्ता मानकों पर विफल पाया। मई, 2026 की रिपोर्ट में असम से किसी अनधिकृत निमार्ता द्वारा बनाई गई एक स्प्यूरियस (नकली) दवा का मामला भी सामने आया जिसने किसी दूसरी कम्पनी के ब्रांड नाम का दुरुपयोग किया।

इसी प्रकार केंद्रीय औषधि परीक्षण प्रयोगशाला मुम्बई द्वारा हृदय रोगियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाला एडेनोसिन इंजैक्शन नकली पाए जाने के बाद हिमाचल प्रदेश के औषधि प्रशासन ने यह इंजैक्शन बनाने वाली कम्पनी का लाइसैंस रद्द कर दिया है।

राजस्थान में 5 प्रसूताओं की मौत के मामले में नकली आक्सीटोसिन इंजैक्शन सप्लाई कारसेवाली कानी का लाइसेंस रहकर दिया गया है। इस संबंध में 23 जून को जारी आदेश के अनुसार अस्पतालों में सप्लाई किए गए टोसिन (आक्सीटोसिन) इंजैक्शन जांच में नकली पाए गए और प्रयोगशाला में परीक्षण में इन इंजैक्शनों में आक्सीटोसिन की मात्रा शून्य पाई गई।जांच में यह भी सामने आया कि उक्त फर्म ने अमृतसर स्थित एक लैबोरेटरी से (जिसका लाइसैंस अब रद्द किया जा चुका है) इसकी कुल 9300 डोज खरीदी थीं जबकि फर्म ने रिकार्ड में 10050 डोज बिकी दिखाई थी। ऐसे में यह जांच भी की जा रही है कि अतिरिक्त 750 इंजैक्शन कहां से आए !

राजस्थान में प्रसूताओं की मौत का मामला अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुंच गया है तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) ने इन मौतों के संबंध में मीडिया में प्रकाशित रिपोर्टों के आधार पर स्वतः संज्ञान लेते हुए भारत सरकार से पूरे मामले की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) ने भारत सरकार को यह बताने को भी कहा है कि ये इंजैक्शन भारत के अलावा अन्य देशों में भी सप्लाई किए गए थे या नहीं और यदि ऐसा हुआ है तो किन देशों में सप्लाई हुए हैं ताकि समय रहते रोकथाम और निगरानी की कार्रवाई की जा सके।

इसी प्रकार की घटनाओं को देखते हुए केंद्र सरकार ने देश के स्वास्थ्य क्षेत्र में रोगियों की सुरक्षा तथा दवाओं की विश्वसनीयता यकीनी बनाने के लिए अब नकली और घटिया दवाओं के हानिकारक जाल को तोड़ने के लिए वैक्सीन, एंटी कैंसर और नार्कोटिक्स दवाओं पर क्यू.आर. कोड या बार कोड लगाना अनिवार्य कर दिया है ताकि कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों की मौत नकली दवाओं के कारण न हो।क्यू.आर. कोड में दवाई का अनूठा पहचान कोड, जैनेरिक और ब्रांड नाम, कम्पनी का नाम पता, बैच नंबर आदि सभी जरूरी जानकारियां दर्ज होंगी और बार कोड के खुलते ही दवाई के असली या नकली होने का पता चल जाएगा।

कैंसर जैसी बीमारी से रोगियों को बचाने के लिए क्यू. आर. कोड का नियम लागू करना सही है परंतु यह

आदेश केवल कुछ चुनिंदा रोगों की दवाओं के लिए नहीं बल्कि सभी दवाओं पर लागू करना चाहिए ताकि नकली दवाएं किसी की मौत का कारण न बनें। इसके साथ ही ऐसे कृत्यों में शामिल अपराधियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करके उन्हें उचित दंड दिया जाए।

केंद्र सरकार ने देश के शीर्ष दवा ब्रांडों की पैकेजिंग पर अनिवार्य क्यूआर कोड लागू किया है, जिसे स्कैन करके दवा की प्रामाणिकता जांची जा सकती है। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स और ड्रग्स विभाग की टीमें लगातार अवैध सिंडिकेट्स पर छापेमारी कर करोड़ों का नकली कच्चा माल जब्त कर रही हैं। ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट के तहत नकली दवाएं बनाने और बेचने वालों के खिलाफ कठोर सजा और गैर-जमानती धाराओं में कार्रवाई की जा रही है। उपभोक्ता को दवाएं हमेशा लाइसेंस प्राप्त और भरोसेमंद मेडिकल स्टोर या प्रमाणित फार्मेसियों से ही खरीदें। दवा के पत्तों पर स्पेलिंग की गलतियां, धुंधली छपाई, और सील टूटी होने जैसी विसंगतियों पर ध्यान दें। पैकेजिंग पर मौजूद क्यूआर कोड को मोबाइल से स्कैन करके बैच नंबर और निमार्ता की जानकारी को सत्यापित करें।हर खरीद पर कैश मेमो या पक्का बिल जरूर लें, जिस पर बैच नंबर और एक्सपायरी डेट स्पष्ट लिखी हो। यदि दवा लेने पर कोई असर न हो या पैकेजिंग संदिग्ध लगे, तो तुरंत अपने डॉक्टर को बताएं और केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन के पास शिकायत दर्ज कराएं।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

नागरिकता के दस्तावेजों पर इतना भ्रम ठीक नहीं..

उमेश चतुर्वेदी

आधुनिक विश्व व्यवस्था की एक खामी यह है कि यहां कानून की भाषा अलग होती है। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि कानूनी भाषा जटिल होती है और उसके शब्द जाल को आम आदमी नहीं समझ पाता। इसी आधार पर उसकी अवधारणाएं विकसित होती हैं और फिर वह किसी विषय का व्यवस्था को लेकर अपनी राय बनाता है।

पिछले कुछ वर्षों में पासपोर्ट हासिल करना आसान हो गया है। इसकी वजह तकनीकी क्रांति तो है ही, लेकिन सरकारी नीतियों ने भी आम आदमी के लिए पासपोर्ट बनवाने की प्रक्रिया को आसान किया है। पासपोर्ट हासिल करने के कठिन दौर से लेकर आसानी से प्राप्त होने के मौजूदा दौर में, आम नागरिक इसे अपनी नागरिकता का एक वैध दस्तावेज मानता रहा है। लेकिन पासपोर्ट सेवा दिवस के मौके पर भारतीय विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के पासपोर्ट को लेकर दिए बयान ने विवाद खड़ा कर दिया है। इस अधिकारी के मुताबिक, भारतीय पासपोर्ट सिर्फ विदेश यात्रा के लिए एक दस्तावेज है, भारतीय नागरिकता का सबूत नहीं। जहां पासपोर्ट हासिल करने को चार धाम यात्रा जैसी उपलब्धि माना जाता रहा हो, जहां किसी व्यक्ति की पहचान के लिए मजबूत सरकारी दस्तावेज माना जाता रहा हो, वहां ऐसा बयान आएगा तो विवाद होगा ही। तो विवाद हो रहा है। विशेष रूप से सोशल मीडिया पर लोग पूछ रहे हैं कि अगर आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, पैन कार्ड और पासपोर्ट नागरिकता का वैध दस्तावेज नही है तो फिर कोई भारतीय नागरिक अपनी नागरिकता के लिए क्या सबूत पेश करे।

भारतीय पासपोर्ट अधिनियम के शब्दों से गुजरें तो विदेश मंत्रालय के अधिकारी का कहना गलत भी नहीं है, लेकिन हाल के दिनों में मतदाता सूचियों के विशेष और गहन परीक्षण के दौरान जब घोषित कर दिया गया कि किसी व्यक्ति के पास आधार कार्ड, पैन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र होना उसकी नागरिकता के सबूत नहीं है और अब पासपोर्ट भी नहीं रहा, तो फिर भारतीय नागरिक क्या करे। जरूरत पड़ने पर वह कैसे साबित करे कि वह भारतीय नागरिक है। इस आधार पर तो देश के ज्यादातर लोग अपनी नागरिकता को तो साबित ही नहीं कर पाएंगे। यही वजह है कि लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। आज के दौर की तमाम लड़ाइयों का बुनियादी और मजबूत आधार चूंकि नैरेटिव बन गया है तो यह भी साबित करने की कोशिश होगी कि मोदी सरकार ने जानबूझकर ऐसा किया है। इसके लपेटे में मोदी समर्थक ताकतें भी आएंगी, भारतीय जनता पार्टी पर तो खैर सवाल उठेगा ही। इस नैरेटिव को खड़ा होने से पहले ही जरूरी है कि नागरिकता के वैध दस्तावेज को लेकर जारी भ्रम को जल्द से जल्द दूर किया जाए। अन्यथा भ्रम का यह कुहासा जितना फैलेगा, वह आम नागरिक के मन में व्यवस्था के प्रति गुस्सा और क्षोभ भरेगा। इससे तनाव बढ़ाने वाली ताकतों को भी मौका मिलेगा।

पासपोर्ट को लेकर विदेश मंत्रालय के अधिकारी ने जो कहा है, वह गलत भी नहीं है। अपने देश में भारतीय पासपोर्ट अधिनियम 1967 के तहत जारी किया जाता है। जबकि भारत में नागरिकता की व्याख्या और प्रमाणिकता के लिए भारतीय नागरिकता कानून 1955 है। पासपोर्ट एक्ट की धारा 20 के मुताबिक, अगर केंद्र सरकार चाहे तो किसी ऐसे व्यक्ति को भी पासपोर्ट या यात्रा दस्तावेज जारी कर सकती है जो भारत का नागरिक नहीं है। बस शर्त यह होगी कि सरकार को ऐसा लगे कि उसके लिए पासपोर्ट जारी करना व्यापक जनहित में जरूरी है। इस कानून से साफ है कि पासपोर्ट और नागरिकता दो अलग अलग चीजें हैं। बेशक भारतीय पासपोर्ट सिर्फ भारतीयों को ही मिलता है, लेकिन यह पत्थर की लकीर जैसा नियम नहीं है। पासपोर्ट अधिनियम की धारा 20 भारत सरकार को छूट देती है कि व्यापक जनहित में वह भारतीय नागरिक ना होने के बावजूद किसी व्यक्ति को पासपोर्ट जारी कर सकती है।

विदेश मंत्रालय के अधिकारी के बयान पर भले ही विवाद खड़ा हुआ हो, लेकिन पासपोर्ट के जरिए नागरिकता प्रमाणित करने के तीन अभियुक्तों समेत चार लोगों के दावे को बांबे हाईकोर्ट 2013 में ही खारिज कर चुका है। उन्होंने अपनी नागरिकता के लिए पासपोर्ट पेश किया था। बांबे हाईकोर्ट ने दो सितंबर 2013 के अपने फैसले में साफ कर दिया था कि अगर आपका जन्म 1987 के बाद हुआ है तो पासपोर्ट को अपनी नागरिकता के प्रमाण पत्र के रूप में नहीं पेश कर सकते। वैसे आधार कार्ड का कानून भी मानता है कि आधार कार्ड सिर्फ निवास और पहचान का प्रमाण है, नागरिकता का नहीं। आधार कानून 2016 की धारा में साफ लिखा है कि आधार कार्ड से नागरिकता की बजाय सिर्फ निवास स्थान और पहचान प्रमाणित होता है। इसकी वजह यह है कि आधार कानून के तहत 182 दिनों तक भारत में लगातार रहने वाले व्यक्ति को सरकार चाहे तो आधार कार्ड जारी कर सकती है। इसी आधार पर सर्वोच्च न्यायालय भी इसे नागरिकता का प्रमाण मानने से इनकार कर चुका है। इसी तरह पैन कार्ड के लिए भी व्यवस्था दी गई है। पैन कार्ड का कानूनी आधार है कि व्यक्ति अर्जन कर रहा है और टैक्स दे रहा है।

आधुनिक विश्व व्यवस्था की एक खामी यह है कि यहां कानून की भाषा अलग होती है। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि कानूनी भाषा जटिल होती है और उसके शब्द जाल को आम आदमी नहीं समझ पाता। इसी आधार पर उसकी अवधारणाएं विकसित होती हैं और फिर वह किसी विषय का व्यवस्था को लेकर अपनी राय बनाता है। प्रधानमंत्री मोदी को इन जटिलताओं की समझ है, शायद यही वजह है कि उनके कार्यकाल में देश के सैकड़ों गैरजरूरी कानूनों को या तो रद्द किया गया है या फिर कुछ नए संदर्भों वाले कानूनों में समाहित कर दिया गया है। आज के दौर में नागरिकता के दस्तावेज के रूप जब पासपोर्ट, आधार कार्ड , पैन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र को आखिरी और अंतिम प्रमाण मानने से इनकार किया जाता है तो अपनी लोक और आम धारणा के चलते आम आदमी इसके विरोध में उतर आता है। यही वजह है कि जब मतदाता सूचियों के विशेष गहन परीक्षण यानी एसआईआर के दौरान इन दस्तावेजों को आखिरी दस्तावेज मानने से इनकार किया गया तो इसका विरोध शुरू हुआ था। कुछ इसी अंदाज में पासपोर्ट पर विदेश मंत्रालय के अधिकारी के बयान पर भी विवाद शुरू हो गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने पूछ लिया है कि पासपोर्ट बनाने से पहले पुलिस जब व्यक्ति का सत्यापन करती है तो आखिर वह किसका सत्यापन करती है और क्यों करती है? उनका यहां तक कहना है कि इससे लोगों के मन में यह भी संदेह उत्पन्न हो सकता है कि गैर भारतीयों को भी पासपोर्ट दिए जा रहे हैं?

इन पंक्तियों के लिखे जाने तक भारत सरकार की ओर से नगारकिता के प्रमाण को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। लेकिन सवाल यह है कि आखिर जब पासपोर्ट मान्य नहीं, मतदाता पहचान पत्र और आधार कार्ड पर भरोसा नहीं और पैन कार्ड मान्य नहीं तो फिर आम नागरिक अपनी नागरिकता को कैसे साबित करे। निश्चित तौर पर इसका भी सरकारी व्यवस्था में है। 20 दिसंबर, 2019 को राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर यानी एनआरसी से जुड़े एक सवाल के जवाब में भारत सरकार के प्रवक्ता ने कहा था, 'जन्म की तारीख और जन्म-स्थान से जुड़े कोई भी दस्तावेज जमा करके नागरिकता साबित की जा सकती है। हालांकि, ऐसे स्वीकार्य दस्तावेजों पर अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है।' इसमें रिलीज में कहा गया था कि जन्म की तारीख और जन्म स्थान से जुड़े कोई भी दस्तावेज जमा करके नागरिकता साबित की जा सकती है। हालांकि, इन दस्तावेजों के बारे में आखिरी रूप से अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है। इसमें वोटर कार्ड, पासपोर्ट, आधार, लाइसेंस, इंश्योरेंस के कागजात, जन्म प्रमाण पत्र, स्कूल छोड़ने का प्रमाण पत्र, जमीन या घर से जुड़े दस्तावेज या सरकारी अधिकारियों द्वारा जारी किए गए ऐसे ही अन्य दस्तावेज शामिल हो सकते हैं। इस लिस्ट में और भी दस्तावेज शामिल किए जा सकते हैं ताकि किसी भी भारतीय नागरिक को बेवजह परेशानी न हो।

बेशक कानून की भाषा अलग होती है और लोक का शब्द संसार अलग, लेकिन दोनों के बीच संतुलन होना ही चाहिए। लोक की समझ अपने तंत्र के लिए बेहतर बनी रहे, इसके लिए जरूरी है कि लोक और कानून की भाषा के बीच के अंतर को पाट लिया जाए। अन्यथा गलतफहमियां होती रहेंगी और आखिरकार इससे नुकसान लोकतंत्र का होगा।

संक्षिप्त समाचार

ब्रिटेन में तेलंगाना के युवा की संदिग्ध मौत, बर्थडे पार्टी में गया था; परिवार ने शव भारत लाने की अपील की

लंदन, एजेंसी। तेलंगाना के कामारेड्डी जिले के 25 साल के श्रीनाथ रेड्डी की ब्रिटेन में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वह करीब 14 महीने पहले मास्टर्स की पढ़ाई के लिए लंदन गए थे और लीसेस्टर की डी मॉन्टफोर्ट यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रहे थे। परिवार के मुताबिक, 22 जून की रात श्रीनाथ ने घर पर बात की थी और सब कुछ सामान्य था। इसके बाद वह एक बर्थडे पार्टी में गए थे। अगले दिन 23 जून की सुबह उनके रूममेट ने उन्हें मृत पाया। रूममेट ने दोस्तों को बताया कि श्रीनाथ ने कथित तौर पर आत्महत्या की है। हालांकि, मौत की वजह को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। श्रीनाथ के पिता मधुसूदन रेड्डी ने केंद्र और तेलंगाना सरकार से बेटे का शव जल्द भारत लाने में मदद की अपील की है। वहीं, ब्रिटेन की ओर से अब तक मामले पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

नाइजीरिया में बंदूकधारियों का गांव पर हमला, 15 की मौत

अबूजा, एजेंसी। उत्तर-पश्चिम नाइजीरिया के एक कृषि समुदाय पर बंदूकधारियों ने हमला कर दिया, जिसमें 15 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। यह हमला शुक्रवार को हिंसा प्रभावित जमफारा राज्य के तलाता माफारा इलाके में हुआ। इस क्षेत्र में पहले भी कई बार हिंसा हो चुकी है। अब तक किसी भी समूह ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। राष्ट्रीय स्तर पर इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले सांसद अब्दुलअजीज यारी ने सोशल मीडिया पर जारी बयान में इस हमले को 'आतंकी हमला' बताया। इलाके के स्थानीय प्रशासन के प्रमुख याहया यारी शुक्रवार शाम पीड़ितों के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। वायरल वीडियो में उन्हें भावुक होकर राष्ट्रपति बोला टीनुबू और क्षेत्र से आने वाले उप रक्षा मंत्री से हस्तक्षेप कर हत्याओं का सिलसिला रोकने की अपील की।

यूरोप : बोस्निया और हर्जेगोविना में देशभर में गर्मी का अलर्ट, जंगलों में आग जारी

सारायेवो, एजेंसी। बोस्निया और हर्जेगोविना ने शनिवार को पूरे देश में ऑरेंज हीट अलर्ट जारी किया। अगले कुछ दिनों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है। वहीं, गर्म और शुष्क मौसम के कारण लगी कई आग पर काबू पाने के लिए दमकल कर्मी लगातार काम कर रहे हैं। देश के जल एवं मौसम विज्ञान संस्थान ने बताया कि ऑरेंज अलर्ट 27 जून से 30 जून तक प्रभावी रहेगा। हर दिन सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक सबसे ज्यादा खतरा रहने की चेतावनी दी गई है। इस दौरान अधिकतम तापमान 33 से 40 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। संस्थान ने लोगों, खासकर बुजुर्गों, छोटे बच्चों और गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों से लंबे समय तक बाहर न रहने, पर्याप्त पानी पीने और स्वास्थ्य व आपातकालीन अधिकारियों की सलाह का पालन करने की अपील की है।

अगले साल के शुरू में भारत का दौरा करेंगे ट्रंप : रूबियो

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले साल के शुरू में भारत का दौरा कर सकते हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने यह जानकारी दी। साथ ही बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप की यात्रा तैयारियों के सिलसिले में वह खुद इसी साल भारत दौरा कर सकते हैं। रूबियो ने एक इंटरव्यू में कहा, हम कोशिश कर रहे हैं कि अगले साल की शुरुआत में किसी समय राष्ट्रपति ट्रंप भारत का दौरा करें। गौरतलब है कि पिछले हफ्ते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस में जी-7 शिखर सम्मेलन के इतर राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात की थी। भारत पिछले कई महीनों से ट्रंप के भारत दौरे के लिए जोर दे रहा है। बहुत संभव है कि यह दौरा जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ होने वाली एक साझा बैठक का हिस्सा हो। पिछले एक साल में भारत और अमेरिका के रिश्ते काफी उतार-चढ़ाव भरे रहे हैं। रिश्तों को सुधारने के मकसद से रूबियो ने पिछले महीने भारत का दौरा किया था। लेकिन वाणिज्यिक जहाज अमेरिकी नौसेना के हमलों में तीन भारतीय नाविकों के मारे जाने से दोनों देशों के रिश्तों में फिर से कड़वाहट आ गई है।

अर्जेंटीना में सियासी भूचाल : भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच राष्ट्रपति के सहयोगी का इस्तीफा, सरकार को लगा झटका

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली के कैबिनेट चीफ और करीबी सहयोगी मैनुअल एडोर्नी ने शनिवार को इस्तीफा दे दिया। यह इस्तीफा एक ऐसे भ्रष्टाचार मामले के बाद आया है जिसने लिबर्टेरियन सरकार को हिलाकर रख दिया है और राजनीतिक व्यवस्था में फैले भ्रष्टाचार को खत्म करने के उनके प्रमुख चुनावी वादे को भी कमजोर कर दिया है। एडोर्नी का इस्तीफा राष्ट्रपति माइली के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। वे उनके सबसे भरोसेमंद और पुराने सहयोगियों में शामिल रहे हैं।

वेनेजुएला में फिर 5.6 तीव्रता का भूकंप:अब तक 1430 मौतें, 3300 लोग घायल; 72 घंटे बाद 68 हजार लोग अब भी लापता

कराकस, एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में रविवार को फिर 5.6 तीव्रता का भूकंप आया। यूरो-मेडिटेरेनियन सीस्मोलॉजिकल सेंटर के मुताबिक भूकंप का केंद्र अरागुआ तट के पास समुद्र में 30 किलोमीटर की गहराई में था। यह भूकंप 24 जून को आए 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो शक्तिशाली भूकंपों के बाद शनिवार को 4.9 तीव्रता का भूकंप आया था। वेनेजुएला में अब तक 1430 लोगों की मौत हो चुकी है। साथ ही 3300 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, भूकंप के 72 घंटे बाद करीब 68,900 लोग अब भी लापता हैं और मलबे में फंसे लोगों की तलाश की जा रही है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि भूकंप के बाद शुरू के 48 से 72 घंटे ही सबसे जरूरी होते है। इस समय लोगों को बचाने की उम्मीद ज्यादा रहती है। कई इलाकों में राहत टीमों की कमी के कारण लोग परिजन को ढूंढने के लिए खुद मलबा हटा रहे हैं। कई परिवार हथौड़ों और दूसरे औजारों से इमारतों का मलबा हटाकर अपने परिजन की तलाश कर रहे हैं।

रविवार सुबह फिर कांपी धरती : वेनेजुएला के लोग अभी बुधवार की तबाही से उबरे भी नहीं थे कि रविवार सुबह फिर से तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 5.6 मापी गई है। इसका केंद्र एल लिमोन शहर से लगभग 30 किमी उत्तर-पूर्व में था। इससे पहले शनिवार को भी 4.1 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसने लोगों को घरों से बाहर भागने पर मजबूर कर दिया। स्थानीय प्रशासन ने चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में और भी आफ्टरशॉक्स आ सकते हैं, जिससे कमजोर हो चुकी इमारतें गिर सकती हैं।

मलबे में अपनों की तलाश : तबाही का सबसे खौफनाक मंजर 'ला-गुएरा' इलाके में दिख रहा है, जहां सैकड़ों इमारतें जमींदोज हो चुकी हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो दिल दहला देने वाले हैं, जिनमें एक बुजुर्ग मां अपने हाथ से मलबा हटाकर अपने बेटे को तलाश रही है। हजारों लोग बेघर हो चुके हैं और अस्पतालों में घायलों के पैर रखने की जगह नहीं है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि भारी मशीनरी और सरकारी मदद की कमी के कारण बचाव कार्य में देरी हो रही है।

मदद को आगे आए कई देश : संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के मुताबिक, इस आपदा से वेनेजुएला को करीब 6.7 अरब अमेरिकी डॉलर का आर्थिक नुकसान हुआ है। आपदा की गंभीरता को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय मदद के लिए आगे आया है। शनिवार को करीब 1,600 विदेशी बचावकर्मी वेनेजुएला पहुंचे और जल्द ही 10 अन्य देशों की टीमें भी इस मिशन में शामिल होने वाली हैं। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रभावित क्षेत्रों में 14,000 सैन्य और पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है।

क्या 10,000 पार होगी मृतकों की संख्या : अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट ने पूरी दुनिया को डरा दिया है। स्त्रस के मुताबिक, जिस तरह की तबाही हुई है, उसे देखते हुए मृतकों की संख्या 10,000 के पार जा सकती है। यदि ऐसा होता है, तो यह पिछले एक सदी में लैटिन अमेरिका की सबसे बड़ी मानवीय त्रासदियों में से एक होगी। देश में भ्रष्टाचार की खबरों ने भी इस आपदा के प्रभाव को और अधिक भयावह बना दिया है, जिससे राहत कार्यों में पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं।

वेनेजुएला के लिए भारत ने चलाया 'ऑपरेशन अमिस्ताद : भारत ने शुक्रवार को वेनेजुएला की मदद के लिए 'ऑपरेशन अमिस्ताद' शुरू किया है। 'अमिस्ताद' एक स्पेनिश शब्द है जिसका मतलब 'दोस्ती' होता है। वेनेजुएला की आधिकारिक भाषा स्पेनिश ही है। इस ऑपरेशन का मकसद भूकंप प्रभावित इलाकों में जल्द से जल्द मदद पहुंचाना और घायलों का इलाज कराना है।

भारतीय वायुसेना के दो सी-17 ग्लोबमास्टर विमानों के जरिए करीब 35 टन राहत सामग्री भेजी गई है। इसमें जरूरी दवाइयां, मेडिकल इक्विपमेंट और राहत सामग्री शामिल हैं, जिनसे कम समय में अस्थायी इलाज सुविधाएं तैयार की जा सकती हैं। भारत ने 60 पैरा फील्ड हॉस्पिटल यूनिट की 41 सदस्यीय मेडिकल टीम भी वेनेजुएला भेजी है। इसमें डॉक्टर, नर्स और मेडिकल एक्सपर्ट शामिल हैं। यह टीम वहां घायलों का इलाज करेगी और जरूरत पड़ने पर अस्थायी अस्पताल भी बनाएगी, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को तुरंत इलाज मिल सके।

पाकिस्तान के कराची में पैरामिलिट्री हेडक्वार्टर पर टेरर अटैक, 4 जवान समेत 10 की मौत

कराची, एजेंसी। कराची के गुलिस्तान-ए-जौहर इलाके में शनिवार को पाकिस्तान के सिंध रेंजर्स के लोकल हेडक्वार्टर पर हुए हमले में चार पैरामिलिट्री के जवान और छह आतंकवादी मारे गए. एक आतंकी को जिंदा पकड़ लिया गया. सिंध पुलिस चीफ ने डॉन को बताया. सिंध के इंस्पेक्टर जनरल जावेद आलम ओधो ने कहा कि आतंकवादियों ने अपनी गाड़ी से मेन गेट को टक्कर मारी थी और शुरू में वे यह कन्फर्म नहीं कर सके कि कोई ब्लास्ट भी हुआ था या नहीं. डॉन के मुताबिक ओधो ने आगे कहा कि एक 'सफाई अभियान' चल रहा था और इलाके को स्पेशल सिक्योरिटी यूनिट के कमांडो, एंटी-टेररिस्ट फोर्स और रेंजर्स के जवानों ने सील कर दिया था. पुलिस सर्जन सुम्मैया सैयद ने डॉन को बताया कि एक घायल पैरामिलिट्री ट्रूपर को पैर में गोली लगने के बाद हॉस्पिटल लाया गया. डॉन के मुताबिक इससे पहले इलाके में भारी फायरिंग और धमाके की खबर मिलने के बाद पुलिस वाले घटनास्थल पर पहुंचे. पुलिस ने पूरे इलाके को सील कर दिया था. रेस्क्यू 1122 सिंध ने कहा कि उसे गुलिस्तान-ए-जौहर ब्लॉक 5 के पास धमाके की खबर मिली थी और उसने तुरंत अपने सेंट्रल कमांड और कंट्रोल सेंटर से टीमों को मौके पर भेज दिया. अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक जमात-उल-अहरार से जुड़े एक ग्रुप ने, जो तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान का एक अलग हथियारबंद ग्रुप ने शनिवार देर रात हमले की जिम्मेदारी ली. इसे पाकिस्तानी तालिबान भी कहा जाता है. ग्रुप ने कहा कि हमले में नौ हमलावर शामिल थे. अल जजीरा के मुताबिक यह तब हुआ है जब पाकिस्तान के सिक्योरिटी फोर्स को पूरे देश में निशाना बनाया जा रहा है. इससे पहले 7 फरवरी को पाकिस्तान में अमेरिकी दूतावास ने इस्लामाबाद के बाहरी इलाके तरलाई कलां इलाके में एक शिया मस्जिद में सुसाइड बॉम्बिंग की रिपोर्ट के बाद अमेरिकी नागरिकों के लिए सिक्योरिटी अलर्ट जारी किया था. रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि शुक्रवार की नमाज के दौरान इस्लामाबाद में एक इमामबाड़ा में हुए सुसाइड बॉम्बिंग में कम से कम 31 लोग मारे गए और 169 घायल हुए।

लेबनान के राष्ट्रपति औन ने ट्रंप से फोन पर की बात, इजरायल के साथ फ्रेमवर्क एग्रीमेंट लागू करने का किया वादा

बेरूत, एजेंसी। लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन ने शनिवार देर रात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ फोन पर बातचीत की। इस दौरान राष्ट्रपति औन ने वादा किया कि लेबनान और इजरायल के बीच अमेरिका की मध्यस्थता वाले फ्रेमवर्क समझौते को लागू करने में लेबनान सरकार अपनी जिम्मेदारी निभाएगी। यह बात लेबनानी राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी बयान में कही गई।

औन ने यह भी उम्मीद जताई कि अमेरिका समझौते के उल्लंघन को रोकने में मदद करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि डील के तहत किए गए सभी वादे पूरे हों, खासकर इजरायल पर दक्षिणी लेबनान में अपने कब्जे वाले इलाकों से हटने का दबाव डालकर, ताकि लेबनानी सेना को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त बॉर्डर तक तैनात किया जा सके। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, ट्रंप ने लेबनान और उसके लोगों के लिए वाशिंगटन के समर्थन को फिर से दोहराया और डील को लागू करने और देश में सुरक्षा और स्थिरता बहाल करने की दिशा में काम करने का वादा किया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि वॉशिंगटन लेबनान की संप्रभुता, आजादी और क्षेत्रीय अखंडता का समर्थन करेगा, साथ ही देश के पूरे इलाके में अपनी आर्म्ड फोर्स के जरिए स्टेट अथॉरिटी के एक्सटेंशन का भी समर्थन करेगा। फोन के आखिर में, राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि वह जल्द ही वाशिंगटन में औन से मिलने का इंतजार कर रहे हैं।

शुक्रवार को, अमेरिकी विदेश सचिव मार्को रुबियो ने कहा कि इजरायल और लेबनान हमेशा चलने वाली शांति और सुरक्षा के लिए एक फ्रेमवर्क एग्रीमेंट पर पहुंच गए हैं। वाशिंगटन, डीसी में राजदूत स्तर की बातचीत के नए राउंड के आखिर में हस्ताक्षर किए गए इस समझौते में दोनों देशों के बीच एक सीजफायर को फिर से लागू करने की बात कही गई। अमेरिका की मीडिएशन और समर्थन से लेबनान की संप्रभु सरकार और बेशक इजरायली सरकार के बीच एक फ्रेमवर्क समझौता, पक्की शांति और सुरक्षा के लिए एक फ्रेमवर्क बनाएगा। ' इस फ्रेमवर्क का मकसद लेबनान की संप्रभुता को वापस लाना, हिज्बुल्लाह के सैन्य ढांचे को खत्म करना और सुरक्षा के खतरे खत्म होने के बाद इजरायली सेना को अपनी सीमाओं पर लौटने में मदद करना है।

कुवैत से बहरीन तक तबाही! ईरान का अमेरिकी बेस पर भीषण हमला, 8 सैन्य ठिकानों को मिसाइलों से किया राख

बहरीन , एजेंसी। ईरान की रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स ने रविवार को यह दावा किया कि उसने कुवैत और बहरीन में स्थित अमेरिका के आठ प्रमुख सैन्य ठिकानों पर भीषण मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। ईरान का कहना है कि यह कार्रवाई अमेरिका द्वारा उसकी पांच तटीय चौकियों पर किए गए हमलों का 'निर्णायक जवाब' है। इन हमलों के बाद पूरे खाड़ी क्षेत्र में महायुद्ध की आहट तेज हो गई है।

रात के अंधेरे में हुआ भीषण हमला : यह बड़ा सैन्य ऑपरेशन रविवार रात करीब 2:00 बजे से 3:00 बजे के बीच अंजाम दिया गया। इस ऑपरेशन में ईरान की नौसेना और एयरोस्पेस फोर्स ने संयुक्त रूप से हमला किया। ईरान ने विशेष रूप से कुवैत में स्थित अली अल सलेम एयरबेस और बहरीन में मौजूद अमेरिका के पांचवें बेड़े के मुख्यालय को अपना मुख्य निशाना

बनाया। बैलिस्टिक मिसाइलों और सुसाइड ड्रोन के जरिए किए गए इन हमलों में ठिकानों को भारी क्षति पहुंचने का दावा किया गया है।

ईरान ने इस हमले को जवाबी कार्रवाई बताया है। उसका कहना है कि अमेरिकी सेना ने पहले ईरान की सीमा में मौजूद 5 तटीय चौकियों पर हमला किया था। अमेरिका ने इन हमलों के लिए एक 'संदिग्ध जहाज' को रोकने की कार्रवाई का बहाना बनाया था। ईरान का आरोप है कि अमेरिका लगातार उस सीजफायर का उल्लंघन कर रहा है जिसकी घोषणा खुद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने की थी। रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने अब तक अमेरिकी आक्रामकता के जवाब में 100 से अधिक बार जवाबी कार्रवाई की है।

IRGC ने साफ चेतावनी दी है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से होने वाली सभी शिपिंग और सुरक्षा की जिम्मेदारी अब केवल ईरान की है। यह कदम पाकिस्तान की मध्यस्थता से हुए एक हालिया समझौते के तहत उठाया गया है, जो ईरान और अमेरिका के बीच हुआ था। ईरान ने कड़े शब्दों में कहा है कि अगर कोई भी जहाज नियमों का उल्लंघन करेगा, तो उससे भविष्य में और भी कठोरता से निपटा जाएगा। यह विवाद शुक्रवार को उस समय शुरू हुआ था जब ईरान की नौसेना ने एक व्यापारिक जहाज पर चेतावनी के तौर पर फायरिंग की थी।

ट्रंप ने दिया अल्टीमेटम : ईरानी हमले से ठीक पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को कड़ा अल्टीमेटम देते हुए कहा था कि 'सीजफायर तोड़ा तो ईरान का अस्तित्व खत्म हो जाएगा'। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने स्वीकार किया है कि उन्होंने एक तेल टैंकर पर हुए हमले के जवाब में ईरान के भीतर कुछ सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। ईरानी मीडिया के अनुसार, हॉर्मोज़गान प्रांत के सिरिक इलाके में एक टेलीकॉम टावर पर धमाका हुआ है और केशम द्वीप पर भी संदिग्ध विस्फोटों की खबरें हैं।

इजरायल-लेबनान फ्रेमवर्क एग्रीमेंट से शांति समझौते का रास्ता होगा साफ : पीएम नेतन्याहू

यरूशलम, एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि अमेरिका की मध्यस्थता से शुक्रवार को इजरायल और लेबनान के बीच हस्ताक्षर किया गया फ्रेमवर्क समझौता, संघर्ष को खत्म करने और दोनों देशों के बीच शांति समझौते तक पहुंचने का रास्ता बनाता है। शनिवार को येरुशलम में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पीएम नेतन्याहू ने कहा कि 'यह समझौता इजरायल और लेबनान को मजबूत करता है और ईरान और हिज्बुल्लाह को कमजोर करता है। यह आने वाली चीजों का संकेत है।' न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, पीएम नेतन्याहू ने आगे कहा कि समझौते के तहत, अमेरिका और लेबनान इजरायल के दक्षिणी लेबनान में सुरक्षा

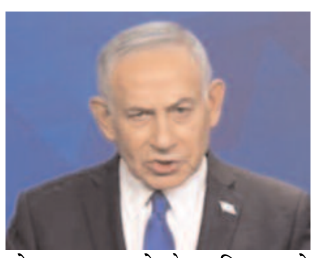

जोन बनाए रखने के अधिकार को मान्यता देते हैं, जब तक यह इजरायल की सुरक्षा के लिए जरूरी है।

उन्होंने कहा कि इजरायली सेना तब तक सुरक्षा जोन पर कब्जा बनाए रखेगी जब तक हिज्बुल्लाह और दूसरे आतंकी संगठन हथियार नहीं छोड़ देते। नेतन्याहू ने कहा कि फ्रेमवर्क एग्रीमेंट में सुरक्षा जोन की उत्तरी सीमा के पास दो इलाके शामिल हैं, जिनकी सलाह इजरायली सेना ने दी है, जहां हिज्बुल्लाह को खत्म करने और इलाके को लेबनानी सेना के कंट्रोल में देने के लिए एक पायलट प्रोग्राम शुरू किया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि युद्ध शुरू होने के बाद से इजरायल ने 9,000 से ज्यादा हिज्बुल्लाह मिलिटेंट्स को मार गिराया और समूह के 150,000 मिसाइलों और रॉकेट के स्टॉक का लगभग 90 फीसदी नष्ट कर दिया है। शुक्रवार को, अमेरिकी विदेश सचिव मार्को रुबियो ने कहा कि इजरायल और लेबनान हमेशा चलने वाली शांति और सुरक्षा के लिए एक फ्रेमवर्क एग्रीमेंट पर पहुंच गए हैं। वाशिंगटन, डीसी में राजदूत स्तर की बातचीत के नए राउंड के आखिर में साइन किए गए इस एग्रीमेंट में दोनों देशों के बीच एक नाजुक सीजफायर को फिर से लागू करने की बात कही गई। इस दौरान अमेरिकी विदेश सचिव रुबियो ने कहा, 'आज का दिन अच्छा है क्योंकि हमें यह ऐलान करते हुए खुशी हो रही है कि लेबनान की संप्रभु सरकार और इजरायल सरकार के बीच एक फ्रेमवर्क समझौता हुआ, जो पक्की शांति और सुरक्षा के लिए एक फ्रेमवर्क बनाना शुरू करता है। इस फ्रेमवर्क का मकसद लेबनान की संप्रभुता को वापस लाना, हिज्बुल्लाह के मिलिट्री इंफ्रास्ट्रक्चर को खत्म करना और सुरक्षा के खतरे खत्म होने के बाद इजरायली सेना को अपनी सीमाओं पर लौटने में मदद करना है।

कांगो में इबोला ने मचाई तबाही; संक्रमितों की संख्या 1200 पार, नहीं थम रहा मौतों का सिलसिला

किंशासा, एजेंसी। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो एक बार फिर जानलेवा इबोला वायरस की गिरफ्त में है। ताजा आधिकारिक रिपोर्टों के अनुसार, देश में इबोला संक्रमितों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है और यह आंकड़ा अब 1,200 के पार पहुंच गया है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने पुष्टि की है कि अब तक कुल 1,203 लोग इस खतरनाक वायरस की चपेट में आ चुके हैं, जिनमें से 321 मरीजों ने अपनी जान गंवा दी है। यह स्थिति अफ्रीका के इस क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए एक गंभीर चुनौती बनकर उभरी है। देश के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी रिपोर्ट के मुताबिक, स्थिति काफी चिंताजनक है। वर्तमान में 419 मरीज या तो आइसोलेशन में हैं या विभिन्न अस्पतालों में जीवन और मौत की लड़ाई लड़ रहे हैं। राहत की बात केवल इतनी है कि अब तक 148 मरीज इस बीमारी को मात देकर पूरी तरह स्वस्थ हो चुके हैं। हालांकि, स्वास्थ्य अधिकारियों ने 265 संदिग्ध मामलों की भी पहचान की है, जिनमें से 77 लोगों की मौत हो चुकी है, जिससे वास्तविक मृत्यु दर और अधिक होने की आशंका है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयसस ने इस संकट पर गहरी चिंता व्यक्त की है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि जमीनी स्तर पर कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग का काम युद्धस्तर पर जारी है। उन्होंने यह भी कहा कि कई मरीज ठीक होकर घर लौट रहे हैं, लेकिन उन्होंने आगाह किया कि इस महामारी के खिलाफ जंग अभी बहुत लंबी है। इलाके में जारी सशस्त्र संघर्ष और असुरक्षा की वजह से राहत और बचाव कार्यों की गति काफी धीमी हो गई है। इबोला के खिलाफ इस अभियान में केवल वायरस ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सुरक्षा संबंधी चुनौतियां भी दीवार बनकर खड़ी हैं। रिपोर्टों के अनुसार, स्थानीय समुदायों में भरोसे की कमी के कारण लोग पोस्ट-मॉर्टम परीक्षणों का विरोध कर रहे हैं। मौजूदा केंद्र लगभग पूरी तरह भर चुके हैं। इसके अलावा, दवाओं की कमी, संक्रमण रोकथाम सामग्री का अभाव और लगभग 20 नए आइसोलेशन केंद्रों की तत्काल आवश्यकता जैसे मुद्दे अभियान को कमजोर कर रहे हैं।

4 दिन में तीसरी बार भूकंप से हिला जापान, इवाते में 6.1 की तीव्रता से कांपी धरती; दहशत में लोग

टोक्यो, एजेंसी। जापान में कुदरत का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। रविवार सुबह एक बार फिर देश का उत्तरी हिस्सा शक्तिशाली भूकंप के झटकों से दहल उठा। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6.1 मापी गई है। पिछले महज चार दिनों के भीतर जापान में आया यह तीसरा बड़ा और शक्तिशाली भूकंप है, जिसने वैज्ञानिकों और सरकार की चिंताओं को चरम पर पहुंचा दिया है। हालांकि, राहत की बात यह रही कि इस ताजा भूकंप के बाद फिलहाल कोई सुनामी अलर्ट जारी नहीं किया गया है।

रविवार सुबह इवाते प्रांत में आया : भूकंप जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के अनुसार, रविवार को आए इस भूकंप का केंद्र इवाते प्रांत का तटीय इलाका था। स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 5:21 बजे जब लोग गहरी नींद में थे, तभी धरती तेज झटकों के साथ कांपने लगी। भूकंप का केंद्र जमीन से 40 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। रिपोर्टों के अनुसार, आमोरी प्रांत के हाचिनोहे शहर में भूकंप की तीव्रता काफी अधिक महसूस की गई। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, इस घटना में किसी के हताहत होने या जान-माल के बड़े नुकसान की खबर नहीं है।

4 दिन में 3 बड़े भूकंपों से दहशत : जापान में पिछले 96 घंटों के दौरान भूकंपों का जो सिलसिला शुरू हुआ है, उसने 2011 की भयावह यादें ताजा कर दी हैं। गुरुवार (25 जून) को उत्तरी जापान के इवाते प्रांत में 7.2 तीव्रता का महाविनाशकारी भूकंप आया था। शुक्रवार (26 जून) की रात को टोक्यो और माउंट फूजी के पास यामानाशी प्रांत में 5.6 तीव्रता का झटका महसूस किया गया। रविवार (28 जून) सुबह एक बार फिर इवाते प्रांत में 6.1 तीव्रता का भूकंप आया।

शुक्रवार के भूकंप ने मचाई थी तबाही : भले ही रविवार के भूकंप में नुकसान की खबर कम है, लेकिन शुक्रवार रात आए भूकंप ने जापान के कई शहरों को

प्रभावित किया था। यामानाशी और कनागावा प्रांतों में कम से कम 6 लोग घायल हुए थे। कनागावा के नाकाई शहर में भारी भूस्खलन हुआ, जबकि फुजियोशिदा में कंक्रीट की दीवारें ढह गई थीं। इस आपदा के कारण करीब 2860 घरों की बिजली गुल हो गई थी और बुलेट ट्रेन सहित कई रेल सेवाओं को घंटों रोकना पड़ा था।

भूकंप के साथ समुद्री तूफान का खतरा : जापान के लिए मुश्किलें यहीं खत्म नहीं हो रही हैं। मौसम विभाग के प्रमुख अयाताका एबिता ने चेतावनी दी है कि अगले दो-तीन दिनों में एक और बड़े भूकंप की 10% से 20% आशंका बनी हुई है। इसके साथ ही, जापान के मुख्य द्वीप होंशू की तरफ दो ट्रॉपिकल तूफान तेजी से बढ़ रहे हैं। भारी बारिश और खराब मौसम के कारण भूकंप से प्रभावित कमजोर इलाकों में बड़े पैमाने पर लैंडस्लाइड का खतरा पैदा हो गया है।

आफ्टरशॉक्स आने का सिलसिला अभी जारी : प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पीएम कार्यालय में क्राइसिस मैनेजमेंट सेंटर स्थापित किया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सरकार की पहली प्राथमिकता मानव जीवन को बचाना है।

प्रशासन ने लोगों को क्षतिग्रस्त इमारतों और पहाड़ों के पास वाली सड़कों से दूर रहने की सख्त हिदायत दी है क्योंकि आफ्टरशॉक्स आने का सिलसिला अभी जारी रह सकता है।

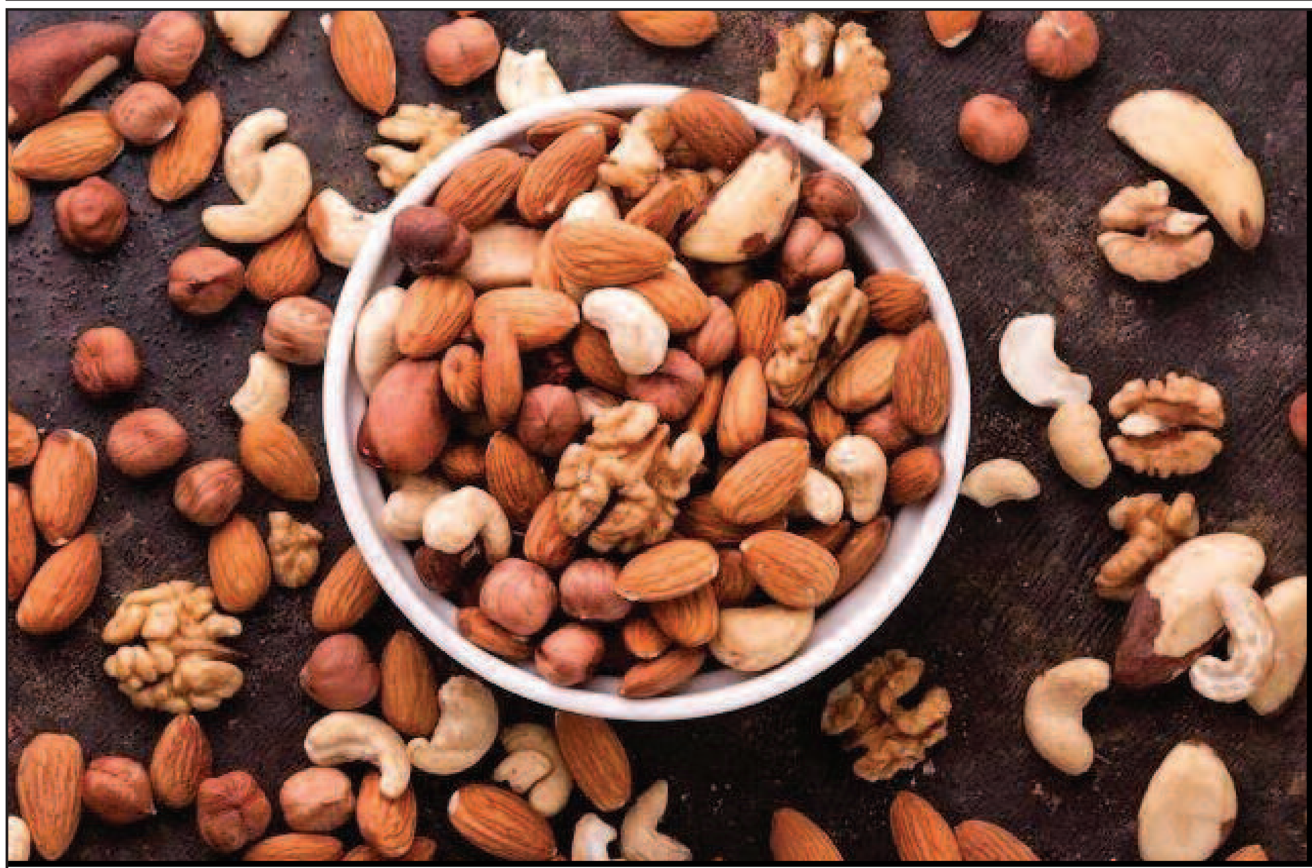

मूंगफली और बादाम से बनाएं स्वादिष्ट और पौष्टिक व्यंजन

सर्दियों का मौसम चल रहा है, ऐसे में मूंगफली और बादाम जैसी चीजें सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होती हैं। मूंगफली और बादाम से आप कई तरह के स्वादिष्ट और पौष्टिक व्यंजन बना सकते हैं। आइए जानते हैं इनके कुछ खास रेसिपीज़, जिन्हें आप आसानी से घर पर बना सकते हैं।

1. मूंगफली-बादाम हलवा

सामग्री
मूंगफली: 100 ग्राम
बादाम: 50 ग्राम
घी: 2 चम्मच
दूध: 1 कप
चीनी: स्वादानुसार
इलायची पाउडर: 1 चुटकी
विधि

मूंगफली और बादाम को हल्का भूनकर पीस लें। एक पैन में घी गर्म करें और इसमें मूंगफली-बादाम का पाउडर डालकर भूनें। इसमें दूध और चीनी डालें और धीमी आंच पर पकाएं। जब हलवा गाढ़ा हो जाए, तो इसमें इलायची पाउडर डालें।

गरमागरम हलवा तैयार है, इसे परोसें।

सामग्री
मूंगफली: 100 ग्राम
काजू: 50 ग्राम
आलू: 2 उबले हुए
हरी मिर्च: 1 बारीक कटी हुई
अदरक पेस्ट: 1 चम्मच
नमक: स्वादानुसार
तेल: टिक्का तलने के लिए

विधि मूंगफली और काजू को पीसकर पेस्ट बना लें। इसमें आलू, हरी मिर्च, अदरक पेस्ट और नमक मिलाकर टिक्की का मिश्रण तैयार करें। टिक्की का आकार देकर तेल में सुनहरा होने तक तलें। गरमागरम टिक्का हरी चटनी के साथ परोसें।

3. शकरकंद-मूंगफली चाट

सामग्री
शकरकंद: 2 उबले हुए
मूंगफली: 50 ग्राम भुनी हुई
हरा धनिया: 1 चम्मच
नींबू का रस: 1 चम्मच
नमक और चाट मसाला: स्वादानुसार
विधि

शकरकंद को छोटे टुकड़ों में काट लें। इसमें भुनी मूंगफली, हरा धनिया, नींबू का रस, नमक और चाट मसाला डालकर अच्छे से मिलाएं। तैयार चाट को तुरंत परोसें।

4. पीनट बटर

सामग्री
मूंगफली: 1 कप
शहद: 1 चम्मच
तेल: 1 चम्मच (ऑप्शनल)
विधि

मूंगफली को हल्का भूनकर छिलका उतार लें। मूंगफली को मिक्सर में पीस लें। इसमें शहद और तेल डालें और फिर से ब्लेंड करें। क्रीमी टेक्सचर आने तक पीसते रहें। आपका घर का बना पीनट बटर तैयार है। इसे ब्रेड या रोटी के साथ खाएं। मूंगफली या पीनट बटर खरीदते समय मिलावट का ध्यान रखें। हमेशा ब्रांडेड और भरोसेमंद स्रोत से ही खरीदारी करें।

आम की गुठली से बनाएं टेस्टी और क्रिस्पी मुखवास, स्वाद में होंगे बेहतरीन

आप आम की गुठली की सहायता से टेस्टी डिश बनाई जा सकती है। आज हम आपके साथ आम की गुठली के अंदर के बीज से चटपटे लच्छे बनाने की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं। यह काफी टेस्टी और क्रिस्पी होते हैं।

गर्मियों में फलों का राजा आम हर किसी को खाना पसंद होता है। इसमें कई विटामिन्स और मिनरल्स पाए जाते हैं, जो स्वास्थ्य को तंदुरुस्त रखते हैं। हालांकि लोग आम खाने के बाद लोग गुठली को फेंक देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आम की गुठली भी कम फायदेमंद नहीं होती है। बल्कि आप आम की गुठली की सहायता से टेस्टी डिश बनाई जा सकती है। आज हम आपके साथ आम की गुठली के अंदर के बीज से चटपटे लच्छे बनाने की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं। यह काफी टेस्टी और क्रिस्पी होते हैं। इसको मुखवास के नाम से भी जाना जाता है।

सामग्री
4 से 5 आम की गुठली
लाल मिर्च पाउडर
भुना जीरा पाउडर
चाट मसाला
काला और सफेद नमक
करें ये काम

सबसे पहले 4-5 आम की गुठली को अच्छे से धोकर बेकिंग ट्रे पर रखें। अब इसको 180 सेल्सियस पर करीब 10 से 15 मिनट के लिए माइक्रोवेव में पकाएं। बेक करने से यह कड़क हो जाएगा और आराम से कट जाएगा। फिर इस गुठली के अंदर से आपको बीज निकालें। अब कुकर में बीज और पानी डालकर 2 सीटी आने तक पकाएं। फिर बीज की स्किन निकालकर इसको लंबे-लंबे स्लाइस में काटें।

ऐसे बनाएं गुठली के लच्छे

सबसे पहले एक पैन में तेल गर्म कर लें। अब इन बीज के स्लाइल्स को हल्का रोस्ट कर लें। अब इसके ऊपर से भुना जीरा पाउडर, चाट मसाला, लाल मिर्च पाउडर, काला नमक, नॉर्मल नमक डालें। इसको टॉस देने के बाद हल्का मिला दें। इस तरह से आम की गुठली से बना चटपटा लच्छा तैयार हो जाएगा।

किचन में सिंक से आ रही है तेज बदबू, कॉफी का यह आसान नुस्खा आएगा काम

अमूमन हम सभी को यह समझ ही नहीं आता कि इस बदबू से निजात पाने के लिए क्या किया जाए, तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। अगर आप चाहें तो अपनी मॉर्निंग कॉफी की मदद से अपनी इस समस्या का हल कर सकती हैं।

किचन में सिंक एक ऐसी जगह होती है, जिसमें गंदे बर्तन व झूठा बचा हुआ होता है। जिसकी वजह से अक्सर किचन सिंक से गंदी बदबू आती है। जब सिंक से बदबू आने लगती है तो पूरी किचन में ही वह बदबू फैलते देर नहीं लगती है। भले ही आप अपनी किचन को कितना भी आर्गेनाइज्ड व साफ-सुथरा रखती हों, लेकिन अगर सिंक से बदबू आ रही है तो ऐसे में आपकी सारी मेहनत बर्बाद होते देर नहीं लगती।

अमूमन हम सभी को यह समझ ही नहीं आता कि इस बदबू से निजात पाने के लिए क्या किया जाए, तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। अगर आप चाहें तो अपनी मॉर्निंग कॉफी की मदद से अपनी इस समस्या का हल कर सकती हैं। कॉफी आसपास की गंध को सोखने और उसे फ्रेश बनाने में मददगार है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि आप कॉफी की मदद से किचन सिंक की गंदी बदबू को किस तरह दूर करें-

आपको किन-किन चीजों की जरूरत होगी-

इस्तेमाल की हुई कॉफी
उबला हुआ पानी
बेकिंग सोडा
नींबू रस या सिरका

कॉफी को किस तरह इस्तेमाल करें-

सबसे पहले सुबह कॉफी बनाने के बाद उसके ग्राउंड्स को फेंकने की जगह थोड़ा ठंडा होने दो। इसे पूरी तरह से सूखने मत दो।

अब इसमें एक चम्मच बेकिंग सोडा उस कॉफी में मिलाओ। इससे पाइप की भी हल्की सफाई हो जाएगी और बदबू भी अच्छे से हटेगी।

अब आप 2-3 चम्मच कॉफी का मिक्स सिंक के ड्रेन में डाल दो।

आप इसे ज़्यादा ना डालें, नहीं तो पाइप जाम हो सकता है।

अब एक केतली पानी उबालें और फिर उस उबलते हुए पानी की डाल दो।

इससे कॉफी नीचे बहेगी और गंदगी भी साफ़ होगी। फ्रेशनेस की खुशबू तुरंत महसूस होगी।

अगर बदबू बहुत ज़्यादा है तो कॉफी डालने के बाद थोड़ा नींबू रस या सिरका डाल दो, फिर गर्म पानी डालो।

कितनी बार इस्तेमाल करें

किचन सिंक की बदबू को दूर करने और उसे फ्रेश बनाए रखने के लिए हफ्ते में एक बार करना काफी है। ध्यान रखें कि रोज़ या बहुत ज़्यादा कॉफी डालना पाइप ब्लॉक कर सकता है, इसलिए लिमिट में करो।

इस बात का रखें ध्यान

अगर तुम्हारे घर का पानी धीरे बहता है या पहले से ड्रेनेज धीमा है, तो ये ट्रिक ना आज़माएं। साथ ही, हर बार ढेर सारा गर्म पानी डालना ज़रूरी है ताकि कॉफी नीचे ठीक से जाए।

परफेक्ट तरीके से बेसन लड्डू बनाने के लिए फॉलो करें ये टिप्स

बेसन के लड्डू बाते समय घी डालने की टाइमिंग भी काफी मैटर करती है। कई बार लोग घी में पहले ही सारा घी डाल देते हैं। लेकिन आप स्टार्टिंग में थोड़ा घी डालो ताकि बेसन अच्छे से भुने। इसके बाद आप बीच में ही थोड़ा-थोड़ा करके घी डालते रहो।

ऐसे बहुत से लोग होते हैं, जिन्हें मीठा खाना काफी पसंद होता है। अक्सर वे ना केवल बाजार से मिठाई लाकर खाते हैं, बल्कि

घर पर भी मीठा बनाते हैं। अगर आप भी मीठे के दीवाने हैं और बेसन के लड्डू आपके फेवरिट हैं तो मुंह में घुल जाने वाली इस मिठाई को खुद घर पर ही बना सकते हैं। बेसन के लड्डू बनाना काफी आसान है, लेकिन इस सिंपल सी दिखने वाली रेसिपी में भी कई बार लड्डू बनाते वक्त कुछ छोटी-छोटी गलतियां हो जाती हैं। कभी बेसन जल जाता है, तो कभी लड्डू अच्छी तरह से बंधते नहीं है।

हो सकता है कि आप भी घर पर बेसन के लड्डू बना रहे हों और आपके सामने यही दिक्कतें आ रही हों। ऐसे में आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही छोटे-छोटे टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आप घर पर बेसन के लड्डू बनाते समय फॉलो कर सकते हैं-

तेज आंच पर ना भूनें बेसन

अक्सर यह देखने में आता है कि जब लोग बेसन के लड्डू बनाते हैं तो बेसन को तेज आंच पर भूनने लग जाते हैं। हालांकि, ऐसा करने से बेसन भूनने की जगह जलने लगता है। इसलिए, आपको हमेशा धीमी आंच पर ही बेसन को भूनना चाहिए। जब हल्की सी खुशबू आए और बेसन का रंग सुनहरा होने लगे, तो समझे कि बेसन अच्छी तरह से भूनने लगा है।

सही समय पर डालें घी

बेसन के लड्डू बाते समय घी डालने की टाइमिंग भी काफी मैटर करती है। कई बार लोग घी में पहले ही सारा घी डाल देते हैं। लेकिन आप स्टार्टिंग में थोड़ा घी डालो ताकि बेसन अच्छे से भुने। इसके बाद आप बीच में ही थोड़ा-थोड़ा करके घी डालते रहो।

बैटर को ठंडा ना होने दें

बेसन के लड्डू में शक्कर अच्छी तरह घुल जाए, इसके लिए जरूरी है कि आपका भुना हुआ बेसन हल्का गरम ही हो। अगर आपका बेसन एकदम ठंडा हो जाएगा तो इससे उसमें शक्कर अच्छी तरह मिक्स नहीं होता है। वहीं, अगर आप गरम बेसन में शक्कर मिक्स करते हैं तो इससे लड्डू भी बाइंड अच्छी तरह होंगे। साथ ही, इस बात का भी ख्याल रखें कि आप दानेदार चीनी की जगह बूरा या फिर पिसी हुई शक्कर डालकर मिक्स करें। दानेदार शक्कर का इस्तेमाल करने से लड्डू खाते समय वह मुंह में किरकिरा महसूस होगा।

संक्षिप्त समाचार

लंबगांव बाजार में जाम नहीं हो रहा कम

लंबगांव (टिहरी)। प्रतापनगर ब्लॉक के मुख्य बाजार लंबगांव में लोगों को जाम की समस्या से राहत नहीं मिल पा रही है। सोमवार को एक घंटे तक जाम लगने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। सुबह करीब नौ से दस बजे तक बाजार में वाहनों की लंबी कतार लगी रही। जाम के कारण वाहन रेंगते रहे। बाजार में खरीदारी के लिए पहुंचने वाले दूर दराज के ग्रामीणों व स्थानीय लोग भी काफी देर तक फंसे रहे। लगातार बिगड़ रही यातायात व्यवस्था को लेकर व्यापारियों और स्थानीय लोगों में आक्रोश है।

लंबगांव बाजार की यातायात व्यवस्था पटरी पर नहीं आ पा रही है। हर दिन बाजार में जाम लगने से लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। सोमवार को हालात और अधिक खराब हो गए। मुख्य बाजार में दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई। करीब एक घंटे तक यातायात प्रभावित रहा। जाम के चलते पैदल चलने वाले लोगों को भी आवाजाही में दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

व्यापार मंडल अध्यक्ष राजीव पंवार, कोषाध्यक्ष अमन राणा, पूर्व व्यापार मंडल अध्यक्ष युद्धवीर राणा, नीरज रमोला का कहना है कि पिछले करीब दस दिनों से लगातार बाजार में जाम लग रहा है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों से खरीदारी के लिए आने वाले लोग दुकानों तक आसानी से नहीं पहुंच पा रहे हैं। इसका सीधा असर उनके व्यापार पर भी पड़ रहा है। व्यापारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

डेढ़ दशक बाद भी नहीं हटाई गई स्टील पुल की सामग्री

पुरोला। खलाड़ी गांव की छानियों के समीप कमल नदी पर आपदा में क्षतिग्रस्त हुआ पैदल स्टील पुल की सामग्री के अवशेष को डेढ़ दशक बाद भी नहीं हटाया जा सका है। नदी के बीच पड़े पुल के लोहे के कारण हर बरसात में नदी का बहाव प्रभावित हो रहा है जिससे दोनों ओर की कृषि भूमि का लगातार कटाव हो रहा है। इसको लेकर क्षेत्र के किसानों में भारी आक्रोश है।

ग्रामीणों ने बताया कि वर्ष 2010–11 की आपदा में खलाड़ी छानी और चक चंदेली के बीच कमल नदी पर बना पैदल स्टील पुल क्षतिग्रस्त होकर नदी में गिर गया था। इसके बाद से लोनिवि की ओर से पुल के अवशेष नहीं हटाए गए। बरसात के दौरान नदी का जलस्तर बढ़ने पर पुल के लोहे से पानी का बहाव अवरुद्ध होता है और नदी का रुख खेतों की ओर मुड़ जाता है जिससे खलाड़ी, पुजेली, चपटाड़ी, सरमाली और आराकोट क्षेत्र की कृषि भूमि का लगातार कटाव हो रहा है। काश्तकारों का कहना है कि पिछले डेढ़ दशक में सैकड़ों नाली उपजाऊ भूमि नदी में समा चुकी है। इससे किसानों को आर्थिक नुकसान के साथ–साथ आजीविका पर भी संकट खड़ा हो गया है। काश्तकार बलदेव रावत, हकुमत रावत और फकीरचंद रावत, रविन्द्र सजवाण, पवन सजवाण ने बताया कि भूमि कटाव और फसलों को हो रहे नुकसान के संबंध में कई बार विभाग को लिखित एवं मौखिक रूप से अवगत कराया गया लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई।

विभाग के एई शुभम सिंह ने बताया कि क्षतिग्रस्त पुल के लोहे को हटाने के लिए पूर्व में निविदाएं आमंत्रित की गई थी लेकिन बोलियां अपेक्षित मूल्य से काफी कम थीं। उन्होंने बताया कि लोहे का अनुमानित मूल्य लगभग छह लाख रुपये है। अब शीघ्र ही दोबारा निविदाएं जारी की जाएगी जिसके बाद पुल के अवशेष हटाने की कार्रवाई की जाएगी।

सीएम धामी ने रुद्रपुर पहुंच नवयुगल को दिया आशीर्वाद

रूद्रपुर। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने रुद्रपुर स्थित एक होटल में पहुंचकर वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. संजीव शुक्ल की पुत्री साक्षी व उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. दयाशंकर मिश्र के पुत्र अनिमेष के सगाई समारोह में सहभागिता की। नवदंपती को आशीर्वाद दिया। समारोह में जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य, विधायक शिव अरोरा, मेयर विकास शर्मा, दर्जा मंत्री अनिल कपूर डब्बू, रामपाल सिंह, पूर्व विधायक राजेश शुक्ला, जिला मंत्री प्रमोद मित्तल, भारत भूषण चुघ आदि थे।

दोपहिया वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश, दो गिरफ्तार

गदरपुर। गदरपुर पुलिस को अंतरराज्यीय दोपहिया वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश कर चोरी की बाइक के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। कार्यवाहक प्रभारी निरीक्षक प्रदीप शर्मा ने बताया कि बीते शनिवार को सरदारनगर निवासी सोनू बिष्ट की बाइक चोरी हो गई थी। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर चोर की तलाश शुरू कर दी। रविवार को पुलिस टीम करतारपुर रोड पर वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इस बीच टीम ने एक बाइक पर सवार दो लोगों को पूछताछ के लिए रोका।

चम्पावत को उत्तराखण्ड का मॉडल जनपद बनाना संकल्प : धामी

123.79 करोड़ की 17 विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को चम्पावत में आयोजित भव्य कार्यक्रम में कुल 123.79 करोड़ की लागत से तैयार एवं प्रस्तावित 17 विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इनमें 27.79 करोड़ की लागत से पूर्ण हुई 8 योजनाओं का लोकार्पण तथा 96 करोड़ की लागत से 9 नई विकास योजनाओं का शिलान्यास किया गया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 349.98 लाख की लागत से निर्मित जिम कॉर्बेट ट्रेल का उद्घाटन किया। इस प्रोजेक्ट के तहत जनपद के विभिन्न स्थानों में जिम कॉर्बेट से संबंधित विभिन्न निर्माण कार्य, सुधारीकरण कार्य किये जा रहे है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री द्वारा बस स्टेशन रोडवेज़ में निर्मित किये जा रहे सिटी सेन्टर के भूमि पूजन कार्यक्रम में भी प्रतिभाग किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि चम्पावत को उत्तराखण्ड का मॉडल जनपद बनाना उनका संकल्प है।

राज्य सरकार सीमांत क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए निरंतर कार्य कर रही है और चम्पावत आज शिक्षा, पर्यटन, आधारभूत संरचना, महिला सशक्तिकरण, कृषि, व्यापार तथा रोजगार के क्षेत्र में नई पहचान बना रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल भवन और सड़कें बनाना नहीं, बल्कि ऐसा चम्पावत विकसित करना है जहां युवाओं को अवसर, महिलाओं को आत्मनिर्भरता, किसानों को समृद्धि, व्यापारियों को नए अवसर तथा प्रत्येक नागरिक को विकास का समान लाभ मिले। उन्होंने कहा कि चम्पावत नगर में लगभग 62.33 करोड़ की लागत से आधुनिक बहुमंजिला पार्किंग एवं शॉपिंग कॉम्प्लेक्स (सिटी सेंटर) का निर्माण किया जाएगा, जिससे पार्किंग की समस्या का समाधान होने के साथ स्थानीय व्यापार को भी नई गति मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की बेटियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगभग 257 करोड़ की लागत से महिला स्पोर्ट्स कॉलेज तथा लगभग 58.52 करोड़ की लागत से आधुनिक साइंस सेंटर की स्थापना की जा रही है। इसके अतिरिक्त कृषि महाविद्यालय, गौशालाओं का विकास तथा आधुनिक कृषि तकनीकों के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में भी कार्य किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि टनकपुर में लगभग 237.74 करोड़ की लागत से आधुनिक आईएसबीटी तथा लगभग 14 करोड़ की लागत से मीडिया सेंटर का निर्माण किया जा रहा है। वहीं लोहाघाट में पर्यावरण मित्रों के लिए आवासीय भवन, बनबसा में सैनिक स्मारक एवं पाटी में सैनिक बहुउद्देशीय केन्द्र की स्थापना की दिशा में भी कार्य प्रगति पर हैं। इस अवसर पर अध्यक्ष जिला पंचायत चम्पावत आनंद सिंह अधिकारी, दर्जा राज्य मंत्री श्याम पांडे, श्रीमती हेमा जोशी, रोहित बिष्ट, मुकेश महराना, भाजपा जिलाध्यक्ष गोविंद सामंत, भाजपा प्रदेश मंत्री निर्मल मेहरा, जिलाधिकारी मनीष कुमार, पुलिस अधीक्षक श्रीमती रेखा यादव, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जी.एस.खाती, अपर जिलाधिकारी कृष्णनाथ गोस्वामी सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

सटीक आंकड़े ही प्रभावी नीति निर्माण का आधार

राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस पर संगोष्ठी आयोजित, प्रशासनिक आंकड़ों की उपयोगिता पर हुआ मंथन

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस के अवसर पर सोमवार को जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी कार्यालय, चमोली में एक विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस वर्ष आयोजित 20वें राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस के अवसर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भारतीय सांख्यिकी के जनक प्रो. पी. सी. महालनोबिस को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए उनके योगदान को स्मरण किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी विनय जोशी द्वारा प्रो. पी. सी. महालनोबिस के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रो. महालनोबिस के जीवन, उनके उल्लेखनीय कार्यों तथा भारतीय सांख्यिकी प्रणाली को सुदृढ़ आधार प्रदान करने में उनके योगदान की विस्तृत जानकारी दी। जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी ने कहा कि विश्वसनीय एवं सटीक आंकड़े किसी भी देश और राज्य के आर्थिक विकास, प्रभावी योजना निर्माण तथा जनकल्याणकारी नीतियों के निर्धारण का मजबूत आधार होते हैं। कहा कि बदलते समय में प्रशासनिक आंकड़ों का वैज्ञानिक विश्लेषण और उनका प्रभावी उपयोग सुशासन एवं बेहतर निर्णय प्रक्रिया के लिए अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में अपर सांख्यिकी अधिकारी भूपाल सिंह, अरविन्द यादव, सहायक सांख्यिकीय अधिकारी विश्व दीपक गौड़ सहित अन्य विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जल जीवन का मूल है आधार : कुलसचिव

उत्तरकाशी। राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद देहरादून की ओर से संचालित मां धरा नमन जल शिक्षा कार्यक्रम के तहत मंजीरा देवी विश्वविद्यालय हिटाणु धनारी में एक दिवसीय जल गुणवत्ता, विश्लेषणात्मक तकनीक एवं जल संरक्षण विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्व विद्यालय के कुलसचिव डॉ. कपिल मोहन उपाध्याय ने किया। उन्होंने कहा कि जल जीवन का मूल आधार है। वर्तमान समय में प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। कि वह जल संरक्षण एवं स्वच्छ जल के महत्व को समझते हुए इसके संरक्षण के लिए सक्रिय भूमिका निभाए। छात्र–छात्राओं से वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाकर समाज में जल संरक्षण के प्रति जन जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।वहीं, मैती आंदोलन के प्रणेता पद्मश्री कल्याण सिंह रावत ने पर्यावरण संरक्षण, जल स्रोतों के संवर्धन एवं वृक्षारोपण की महत्ता पर प्रकाश डाला। डॉ. राजेंद्र सिंह राणा ने जल गुणवत्ता, जल प्रदूषण, वैज्ञानिक परीक्षण विधियों तथा आधुनिक विश्लेषणात्मक तकनीकों पर विस्तृत जानकारी दी। आलोक कठैत ने पेयजल के नमूनों की जांच, पीएच, टीडीएस, क्लोरीन सहित विभिन्न जल गुणवत्ता मानकों की परीक्षण प्रक्रिया को उपकरणों के माध्यम से बताया। डॉ. शंभू प्रसाद नौटियाल ने जल संरक्षण, प्राकृतिक जल स्रोतों के पुनर्जीवन, वर्षा जल संचयन व सामुदायिक सहभागिता के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए।

भटवाड़ी में चल रहे धरने के बाद बीडीसी बैठक हुई स्थगित

उत्तरकाशी। भटवाड़ी के रामलीला मैदान में चल रहे आंदोलन के कारण सोमवार को विकासखंड कार्यालय में प्रस्तावित बीडीसी बैठक का आयोजन नहीं हो पाया। ब्लॉक प्रमुख ममता पंवार ने धरनास्थल पर पहुंचकर आंदोलनकारियों को अपना समर्थन दिया। साथ ही शासन–प्रशासन से टकनौर क्षेत्र के लोगों की तीन सूत्रीय मांगे पूरी करने की मांग की। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सोमवार को रैथल गांव के ग्रामीणों ने अनिश्चितकालीन धरने में प्रतिभाग किया। साथ ही कहा कि जल्द ही सभी ग्रामीणों की ओर उग्र आंदोलन किया जाएगा।

भटवाड़ी रामलीला मैदान में केंद्रीय विद्यालय खोलने सहित गंगोत्री हाईवे चौड़ीकरण और तहसील में अधिकारियों की मौजूदगी को लेकर ग्रामीणों का धरना पांचवे दिन भी जारी रहा। सोमवार को रैथल के ग्रामीण धरने में पहुंचे। वहां पर उन्होंने शासन–प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। साथ ही विकासखंड कार्यालय में प्रस्तावित बीडीसी बैठक को भी स्थगित करना पड़ा।

क्योंकि टकनौर क्षेत्र के सभी जनप्रतिनिधयों ने कहा कि जब तक उनकी मांगे पूरी नहीं हो जाती है। तब तक बीडीसी का आयोजन भी नहीं किया जाएगा। कहा कि इसके बाद ग्राम जागरण अभियान के साथ क्षेत्र के सभी गांव के लोगों को आंदोलन से जोड़ा जाएगा। बीडीसी बैठक स्थगित होने पर ब्लॉक प्रमुख ममता पंवार धरनास्थल पर आंदोलनकारियों को समर्थन देने पहुंची। इस मौके पर रमेश नेगी, विपिन राणा, विवेक नौटियाल, अशरफ खान, चत्तर सिंह, यजुवेंद्र रावत, विनोद, लोकेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

उत्तराखंड की स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगा आधुनिक तकनीकी उपकरणों का सुदृढ़ आधार

देहरादून : उत्तराखंड में स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक एवं सुलभ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के अंतर्गत भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा उत्तराखंड सरकार के बीच सोमवार को कर्तव्य भवन, नई दिल्ली में एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

समझौते पर उत्तराखंड शासन की ओर से स्वास्थ्य सचिव श्री विनय शंकर पांडे तथा भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की अपर सचिव सुश्री आराधना पटनायक की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए।

इस समझौते के अंतर्गत प्रधानमंत्री निधि के माध्यम से उत्तराखंड को 4 एमआरआई (टफ्क) मशीनें, 5 डिजिटल मैमोग्राफी मशीनें तथा 75 कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित पोर्टेबल हैंडहेल्ड एक्स–रे मशीनें उपलब्ध कराई जाएंगी।

इन अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों के उपलब्ध होने से प्रदेश के सरकारी चिकित्सालयों में जांच सुविधाओं का विस्तार होगा तथा रोगों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निदान में उल्लेखनीय सहायता मिलेगी। विशेष रूप से पर्वतीय एवं दूरस्थ क्षेत्रों में एआई–सक्षम पोर्टेबल हैंडहेल्ड एक्स–रे मशीनों के माध्यम से मरीजों को उनके निकट ही बेहतर जांच एवं उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराना संभव होगा।

इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम), उत्तराखंड के मिशन निदेशक श्री संदीप तिवारी सहित भारत सरकार एवं राज्य सरकार के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

भारत–चीन सीमा पर पहली बार चलाया जा रहा है पल्स पोलियो अभियान

उत्तरकाशी। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भटवाड़ी की ओर से पल्स पोलिया अभियान के तहत पहली बार भारत–चीन सीमा पर कार्य कर रहे मजदूरों के बच्चों तक पोलियो की खुराक पहुंचाई गई है। दूसरी ओर पीएचसी की ओर से गंगोत्री धाम और हीना पंजीकरण केंद्र पर भी पहली बार पोलिया ड्राप अभियान बूथ बनाए गए हैं। भारत–चीन सीमा सहित गंगोत्री और भैरो घाटी के आसपास रहने वाले बीआरओ के मजदूरों के पांच वर्ष तक के बच्चे पोलिया खुराक से वंचित रहे जाते थे। इसको देखते हुए स्वास्थ्य विभाग की ओर से इस वर्ष अतिरिक्त तीन टीमों का गठन किया गया। इसमें से एक टीम को नेलांग घाटी और दूसरी टीम को गंगोत्री ओर तीसरी टीम को हीना पंजीकरण बैरियर पर तैनात किया गया।

पीएचसी भटवाड़ी के प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. वेद प्रकाश सिंह ने बताया कि चीना सीमा पर नेलांग व जादूंग घाटी में 29 बच्चों को पोलिया की खुराक पिलाई गई है। यात्रा के दौरान अपने परिजनों के साथ आने वाले बच्चे कई बार पोलिया ड्राप से वंचित रह जाते हैं। इसके तहत अभी तक 72 बच्चों को पोलिया की खुराक पिलाई गई है। उन्होंने बताया कि केंद्र व राज्य सरकार के निर्देश पर हर बच्चे तक यह अभियान पहुंचाया जा रहा है।

जिला अस्पताल मार्ग पर अव्यवस्थित यातायात से फंस रही एंबुलेंस

उत्तरकाशी। विश्वनाथ चौक स्थित निर्माणाधीन क्रिटिकल केयर सेंटर के सामने से जिला चिकित्सालय को जाने वाला मुख्य मार्ग अव्यवस्थित यातायात और अवैध पार्किंग फिर मुसीबत बनने लगी है। मार्ग पर आए दिन लगने वाले जाम से आम राहगीरों के साथ–साथ मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई बार एंबुलेंस भी फंस जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क के दोनों ओर वाहनों की अनियंत्रित पार्किंग के कारण मार्ग संकरा हो जाता है और कई बार पूरी तरह बाधित हो जाता है। कुछ वर्ष पूर्व यहां से अस्थायी खोके और अतिक्रमण हटाकर मार्ग को खाली कराया गया था लेकिन अब उसी स्थान पर फिर से अवैध पार्किंग की समस्या उत्पन्न हो गई है। पालिका सभासद अमरीकन पुरी का कहना है कि यह मार्ग जिला चिकित्सालय और निर्माणाधीन क्रिटिकल केयर सेंटर दोनों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। भविष्य में सेंटर के संचालन के बाद यहां एंबुलेंस और अन्य आपात सेवाओं की आवाजाही और बढ़ने की संभावना है जिससे समस्या और बढ़ सकती है। यदि किसी गंभीर मरीज को केवल जाम के कारण समय पर उपचार नहीं मिल पाया तो यह प्रशासनिक लापरवाही होगी। लोगों ने मांग की है कि मार्ग को तत्काल नो–पार्किंग जोन घोषित किया जाए और नियमित ट्रैफिक पुलिस की तैनाती की जाए। साथ ही अवैध रूप से खड़े वाहनों पर सख्त चालान और टोइंग कार्रवाई हो।

सचिवालय में व्यय वित्त समिति की बैठक संपन्न

देहरादून : मुख्य सचिव श्री आनंद बर्द्धन की अध्यक्षता में सोमवार को सचिवालय में व्यय वित्त समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में विभिन्न विभागों के प्रस्तावों को स्वीकृति मिली।

देहरादून : मुख्य सचिव ने राजकीय मेडिकल कॉलेज हरिद्वार योजना की संशोधित लागत को स्वीकृति प्रदान की। मुख्य सचिव ने कहा की मेडिकल कॉलेज को पूरी तरह से फंक्शनल किया जाए इसके लिए मेडिकल कॉलेज की फैकल्टी को शीघ्र रिक्रूट किया जाए। उन्होंने मेडिकल कॉलेज की मेंटेनेंस के लिए भी प्रविधान रखे जाने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव द्वारा हल्द्वानी में रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिस निर्माण (कुल लागत 3569.28 लाख) कार्य को भी स्वीकृति प्रदान की गई। उन्होंने पूर्व में स्वीकृत प्रॉजेक्ट को रद्द करते हुए इसे नए प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किए जाने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली व्यय वित्त समिति द्वारा उरेडा के ऊर्जा पार्क परिसर में सुपर ई0सी0बी0सी0 ऑफिस बिल्डिंग निर्माण (कुल लागत 16.13 करोड़) एवं सहस्त्रधारा रोड वाटर सप्लाई स्कीम (कुल लागत 113.16 करोड़ लागत) को भी स्वीकृति प्रदान की गई। इस अवसर पर प्रमुख सचिव श्री आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव श्री बृजेश कुमार संत एवं श्री श्रीधर बाबू अद्धांकी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

कनाडा ने पहली बार फुटबॉल वर्ल्डकप का नॉकआउट मैच जीता

● साउथ अफ्रीका को 1-0 से हराया, टॉप-16 में पहुंची, इंजरी टाइम में यूस्टाक्वियो का गोल

लॉस एंजिल्स (एजेंसी)। कनाडा फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। उसने सोमवार को साउथ अफ्रीका को 1-0 से हराया। कनाडा ने पहली बार इस टूर्नामेंट का कोई नॉकआउट मैच जीता है। अब उसका सामना 4 जुलाई को नीदरलैंड और मोरक्को के विनर से होगा। लॉस एंजिल्स स्टेडियम में सोमवार को खेले गए मैच के 90 मिनट तक कोई गोल नहीं आया। यहां तक दोनों टीमें 0-0 की बराबरी पर थीं। इसके बाद एलिस्टेयर जॉनस्टन ने

इंजरी टाइम के दूसरे मिनट में डी के बाहर से गोल करके कनाडा को जीत दिला दी। उन्हें सुपीरियर प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। 74 साल और 79 दिन के ह्यूगो ब्रूस फीफा वर्ल्ड कप के नॉकआउट स्टेज में मैच कोचिंग करने वाले सबसे उम्रदराज कोच बन गए। उन्होंने ओस्कर तबारेज का रिकॉर्ड तोड़ा। तबारेज ने 2018 वर्ल्ड कप के क्वार्टर फाइनल में 71 साल की उम्र में उरुग्वे को कोच किया था।

कनाडा के कोच जेसी ने प्लेयर्स को नेशनल हीरो बताया

मैच के बाद कनाडा के हेड कोच जेसी मार्श इमोशनल हो गए। उन्होंने मैदान पर खिलाड़ियों को नेशनल हीरो बताया। उन्होंने कहा कि वे देश के भविष्य के लिए प्रेरणा बन गए हैं। अब कनाडा में फुटबॉल का भविष्य और उज्ज्वल होगा।

डेविस की वापसी से बढ़ी टीम की ताकत

स्टार डिफेंडर अल्फोंसो डेविस ने 75वें मिनट में चोट से वापसी की। उन्होंने मैदान पर उतरते ही प्रॉमिस डेविड के लिए शानदार मौका बनाया, हालांकि उसे गोल में नहीं बदला जा सका। आखिरकार यूस्टाक्वियो ने टीम को अतिरिक्त समय में जाने से बचा लिया।

साउथ अफ्रीका ने किया कड़ा मुकाबला

साउथ अफ्रीका ने पूरे मैच में मजबूत रक्षात्मक खेल दिखाया और गोल होने तक कनाडा को लगातार रोके रखा। गोलकीपर रॉनवेन विलियम्स ने पांच शानदार बचाव किए, लेकिन अंतिम क्षणों में टीम को हार से नहीं बचा सके।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए क्रिकेट क्वालिफिकेशन सिस्टम को मिली मंजूरी

लाजेन (स्विट्जरलैंड) (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक कमिटी (आईओसी) ने लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों में क्रिकेट प्रतियोगिताओं के लिए क्वालिफिकेशन सिस्टम को मंजूरी दे दी है। आईओसी के एग्जीक्यूटिव बोर्ड (ईबी) की मंजरी के बाद लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों में क्रिकेट प्रतियोगिताओं के लिए क्वालिफिकेशन सिस्टम अब जारी कर दिया गया है तथा सर्फ़िगं क्वालिफिकेशन सिस्टम में भी अपडेट किया गया हैं।

128 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी हो रही है, जहां पुरुष और महिला दोनों वर्गों में टी20 प्रारुप में 6-6 टीमें स्वर्ण पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। प्रत्येक टीम में 15 खिलाड़ी होंगे। जो प्रशंसक इस रोमांच का हिस्सा बनना चाहते हैं, वे अगस्त में होने वाले अगले लॉस एंजिल्स 2028 टिकट सेल के लिए आधिकारिक रू-28 वेबसाइट पर साइन अप कर सकते हैं जिन लोगों ने अभी तक साइन अप नहीं किया है उनके लिए रजिस्ट्रेशन 22 जुलाई 2026 तक खुला रहेगा।

दक्षिण कोरिया की रयू हेरान ने शानदार वापसी करते हुए जीती विमेंस पीजीए चैंपियनशिप

मिनेसोटा (अमेरिका) (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया की रयू हेरान ने 10- स्ट्रोक के भारी अंतर से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए केपीएमजी विमेंस पीजीए चैंपियनशिप अपना पहला मेजर खिताब जीता। हेजलटाइन नेशनल गोल्फ क्लब में रविवार को एलपीजीए की 2023 'रूकी ऑफ द ईयर' रयू ने पहले राउंड के बाद 10 शॉट्स से पिछड़ने के बावजूद जबरदस्त वापसी की। उन्होंने 1964 में कैरोल मान के बनाए टूर के इतिहास में सबसे बड़ी वापसी के रिकॉर्ड की बराबरी की और 13-अंडर 275 के स्कोर के साथ जीत हासिल की। उन्होंने अपनी ही देश की यूं इना को दो स्ट्रोक्स से हराया। इस जीत के साथ वह पिछले कम से कम 60 वर्षों में किसी मेजर में पहले राउंड के बाद 10 से अधिक शॉट्स के नुकसान से उबरकर खिताब जीतने वाली पहली गोल्फर बन गई है। आखिरी तीन राउंड में रयू का स्कोर 14-अंडर रहा, जो मिनेसोटा के हेजलटीन नेशनल गोल्फ़ क्लब में बाकी खिलाड़ियों से कम से कम छह शॉट्स बेहतर था। 25 साल की रयू, पिछले 12 सालों में यह टूर्नामेंट जीतने वाली दक्षिण कोरिया की छठी गोल्फर हैं। रयू के शानदार प्रदर्शन ने नेल्ली कोडर को सीजन की शुरुआत में लगातार तीसरी बड़ी चैंपियनशिप जीतने से रोक दिया। आठवें स्थान से संतोष करना पड़ा, और वह विजेता से सात स्ट्रोक्स पीछे रहीं। कनाडा की ब्रुक हेंडरसन और नीदरलैंड की डेवी वेबर 10-अंडर के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहीं।

एशिया जूनियर चैंपियनशिप

हांगकांग से हारकर भारत का सफर थमा, क्वार्टर फाइनल में निराशा

यत्सुशिरो (एजेंसी)। बैडमिंटन एशिया जूनियर मिश्रित टीम चैंपियनशिप 2026 में भारतीय टीम का अभियान क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया। जापान के यत्सुशिरो में खेले गए मुकाबले में हांगकांग ने भारत को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। भारत ने शानदार शुरुआत की थी, लेकिन अगले दो मुकाबलों में बढ़त कायम नहीं रख सका। देव रूपारेलिया, तन्वी पत्री और अन्य युवा खिलाड़ियों ने संघर्ष जरूर किया, लेकिन निर्णायक क्षणों में हांगकांग की टीम ज्यादा मजबूत साबित हुई।

क्वार्टर फाइनल में भारत को मिली हार – सोमवार को खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में भारत को हांगकांग के खिलाफ 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ भारतीय टीम का टूर्नामेंट में सफर समाप्त हो गया, जबकि हांगकांग ने अंतिम चार में अपनी जगह पक्की कर ली।

देव रूपारेलिया और तन्वी पत्री ने दिलाई शानदार शुरुआत -भारत की ओर से पहले मुकाबले में देव रूपारेलिया और तन्वी पत्री की

जोड़ी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई। भारतीय जोड़ी ने पहला गेम 55-44 से अपने नाम कर मुकाबले में शानदार शुरुआत की। हालांकि दूसरे गेम में हांगकांग के कैन यी हेई ने रूपारेलिया पर दबाव बनाया और 11-8 से जीत दर्ज की। इसके बाद आईपी सुम याउ ने भी बढ़त हासिल करते हुए स्कोर 22-16 कर दिया। निर्णायक गेम में रूपारेलिया ने वापसी करते हुए चान को 11-9 से हराया, लेकिन आईपी सुम याउ ने 22-21 की मामूली बढ़त बनाए रखकर हांगकांग को मुकाबले में बनाए रखा।

दूसरे मुकाबले में कड़ी टक्कर के बावजूद मिली हार - अगले मैच में भारत के ब्योर्न जैसन और डियांका वाल्डिया का सामना चियुंग साइ शिंग और विंग चि चू से हुआ। मुकाबला काफी रोमांचक रहा और एक समय स्कोर 11-11 की बराबरी पर था। भारतीय जोड़ी ने शानदार खेल दिखाते हुए टीम को 33-32 की बढ़त दिलाई, लेकिन हांगकांग की जोड़ी ने दबाव में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए मुकाबला अपने पक्ष में मोड़ लिया।

आखिरी मुकाबले में नहीं बचा सके भारत की उम्मीदें

निर्णायक मुकाबले में भारत की तन्वी रेड्डी और बरूनी पर्शवाल से काफी उम्मीदें थीं, लेकिन उन्हें चू और यी कियू यू की जोड़ी के खिलाफ 5-11 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ भारत ने सेट 43-55 से गंवा दिया और हांगकांग ने मुकाबला 2-1 से जीतकर सेमीफाइनल का टिकट हासिल कर लिया।

युवा खिलाड़ियों ने दिखाया दम, लेकिन अधूरा रह गया सपना

भारतीय जूनियर खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में कई शानदार प्रदर्शन किए, लेकिन क्वार्टर फाइनल में टीम निर्णायक मौकों का फायदा नहीं उठा सकी। इसके बावजूद युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन ने भविष्य के लिए सकारात्मक संकेत जरूर दिए।

यूएसओपन 2026

किदांबी श्रीकांत का खिताब जीतने का सपना टूटा, फाइनल में सु ली यांग से हार

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के अनुभवी शटलर किदांबी श्रीकांत एक बार फिर बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर का खिताब जीतने से चूक गए। अमेरिका के फुलर्टन में खेले गए यूएस ओपन 2026 के फाइनल में उन्होंने शानदार संघर्ष किया, लेकिन चीनी ताइपे के युवा खिलाड़ी सु ली यांग ने उन्हें तीन गेम तक चले मुकाबले में हराकर ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

यूएस ओपन 2026 के फाइनल में श्रीकांत को मिली हार – पूर्व विश्व नंबर-1 किदांबी श्रीकांत को फाइनल मुकाबले में चीनी ताइपे के 24 वर्षीय सु ली यांग के खिलाफ 21-15, 16-21, 21-9 से हार का सामना करना पड़ा। एक घंटे नौ मिनट तक चले इस मुकाबले में श्रीकांत ने दमदार संघर्ष किया, लेकिन निर्णायक गेम में वह लय बरकरार नहीं रख सके। इस हार के साथ उनका बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब का इंतजार और लंबा हो गया।

तीसरे गेम में युवा खिलाड़ी ने पलट दी बाजी – निर्णायक गेम में शुरुआत में श्रीकांत मुकाबले में बने रहे और स्कोर 9-7 तक पहुंचा। इसके बाद सु ली यांग ने लगातार आठ अंक जीतकर मैच पर पूरी पकड़ बना ली। लंबे मुकाबले का असर श्रीकांत की फिटनेस पर भी दिखाई दिया और अंततः उन्हें 21-9 से गेम गंवाकर उपविजेता से संतोष करना पड़ा।

शानदार प्रदर्शन के बावजूद खिताब फिर दूर – भले ही श्रीकांत ट्रॉफी जीतने में सफल नहीं रहे, लेकिन पूरे टूर्नामेंट में उनका प्रदर्शन उम्मीद जगाने वाला रहा। अनुभवी भारतीय खिलाड़ी ने कई मजबूत प्रतिद्वंद्वियों को हराकर फाइनल तक का सफर तय किया और यह दिखाया कि वह अब भी बड़े मंच पर चुनौती पेश करने की क्षमता रखते हैं।

पहले गेम में सु ली यांग का दबदबा

मुकाबले की शुरुआत से ही सु ली यांग ने आक्रामक खेल दिखाया और जल्दी ही 10-5 की बढ़त बना ली। हालांकि श्रीकांत ने शानदार वापसी करते हुए स्कोर 10-10 से बराबर कर दिया, लेकिन इसके बाद चीनी ताइपे के खिलाड़ी ने लगातार सात अंक जीतकर पहला गेम 21-15 से अपने नाम कर लिया।

दूसरे गेम में श्रीकांत ने दिखाई शानदार वापसी

दूसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। स्कोर 15-13 तक बेहद करीबी रहा, लेकिन इसके बाद श्रीकांत ने अपना अनुभव दिखाते हुए लगातार पांच अंक हासिल किए और 20-13 की बढ़त बना ली। उन्होंने चौथे गेम प्वाइंट पर गेम जीतकर मुकाबले को निर्णायक तीसरे गेम तक पहुंचा दिया।

हरियाणा के योगेश कोहली को बड़ी जिम्मेदारी

ऑस्ट्रिया कप के लिए भारतीय सीनियर टेनिस टीम के कप्तान बने

हिसार (एजेंसी)। हरियाणा के हिसार के वरिष्ठ टेनिस खिलाड़ी योगेश कोहली को वर्ष 2026 आईटीएफ वर्ल्ड टेनिस मास्टर्स टूर ऑस्ट्रिया कप सीनियर के लिए भारतीय टीम का कप्तान बनाया गया है. यह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता 5 जुलाई से 10 जुलाई 2026 तक इटली के रोम में आयोजित होगी. इस टूर्नामेंट में योगेश कोहली भारतीय टीम की कप्तानी करते हुए देश का प्रतिनिधित्व करेंगे।

एक दशक से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शनः योगेश कोहली पिछले करीब 10 वर्षों से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन कर रहे हैं. वर्ष 2016 से वह लगातार आईटीएफ मास्टर्स टेनिस सर्किट में शानदार प्रदर्शन करते आ रहे हैं. उनकी निरंतर सफलता और बेहतरीन खेल के दम पर एकल वर्ग में उनकी विश्व रैंकिंग 34वीं है, जो भारतीय सीनियर टेनिस के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जाती है।

करियर में जीते 19 अंतरराष्ट्रीय खिताबः योगेश कोहली ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में अब तक एकल वर्ग में 6 और युगल वर्ग में 13 अंतरराष्ट्रीय खिताब अपने नाम किए हैं. उनकी लगातार शानदार उपलब्धियों ने उन्हें भारतीय सीनियर टेनिस के प्रमुख खिलाड़ियों में शामिल कर दिया है। 2025 रहा सबसे यादगार सालः योगेश कोहली के लिए वर्ष 2025 बेहद खास रहा. उन्होंने एक ही साल में एकल और युगल वर्ग को मिलाकर रिकॉर्ड 10 अंतरराष्ट्रीय खिताब जीतकर नया कीर्तिमान बनाया. इस शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें भारतीय टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। भारत को पदक दिलाने का लक्ष्यः भारतीय टीम के कप्तान बनाए जाने पर योगेश कोहली ने खुशी जताई. उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय परिवार, प्रशिक्षकों, सहयोगियों और समर्थकों को दिया. उन्होंने कहा कि देश का प्रतिनिधित्व करना और भारतीय टीम की कप्तानी करना उनके लिए गर्व की बात है।

महिला टी-20 वर्ल्ड कप में सिर्फ दूसरी बार हुआ ऐसा

● जब डिफेंडिंग चैंपियन को ग्रुप स्टेज से ही लौटना पड़ा घर

● न्यूजीलैंड महिला टी-20 वर्ल्ड कप 2026 से बाहर

नईदिल्ली (एजेंसी)। महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 में न्यूजीलैंड का खराब सफर आखिरकार खत्म हो गया, क्योंकि 'द ओवल' में इंग्लैंड से हारने के बाद वे टूर्नामेंट से बाहर हो गए. इस हार के साथ ही यह टूर्नामेंट के इतिहास में सिर्फ दूसरी बार हुआ है जब डिफेंडिंग चैंपियन ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गया हो. टूर्नामेंट में खराब प्रदर्शन के कारण डिफेंडिंग चैंपियन न्यूजीलैंड महिला टी20 वर्ल्ड कप के ग्रुप स्टेज से बाहर हो गया. 'द ओवल' में अपने आखिरी ग्रुप स्टेज मैच में इंग्लैंड से नौ विकेट से हारने के बाद वे टूर्नामेंट से बाहर हो गए.

वर्ल्ड कप के इतिहास में दुर्लभ घटना – न्यूजीलैंड टूर्नामेंट के इतिहास में ऐसा करने वाली दूसरी टीम बन गई है जब डिफेंडिंग चैंपियन ग्रुप स्टेज से बाहर हुए. 'ब्लैककैप्स' (न्यूजीलैंड टीम) से पहले, 2016 का टूर्नामेंट जीतने के बाद वेस्टइंडीज 2018 के एडिशन में ग्रुप स्टेज से बाहर हो गई थी. गौरतलब है कि 10 एडिशन में से ऐसा सिर्फ दो बार हुआ है।

डैनी वायट-हॉज ने लगाई फिफ्टी -इंग्लैंड की डैनी वायट-हॉज ने मैच में बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया और न्यूजीलैंड टीम को टूर्नामेंट से बाहर करने में अहम भूमिका निभाई. उन्होंने 53 गेंदों पर नाबाद 89 रन बनाए, जिसमें 15 चौके और एक छक्का शामिल था. सोफिया डंकली ने भी अहम योगदान दिया और 38 गेंदों पर नाबाद 49 रन बनाए. दूसरे विकेट के लिए दोनों के बीच 128 रनों की साझेदारी की बदौलत इंग्लैंड ने 164 रनों के लक्ष्य को 17.2 ओवर में चेज करके न्यूजीलैंड को नौ विकेट से हरा दिया। इससे पहले मैच में, इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को 163/6 पर रोक दिया, जिसमें मेली केर (42) बल्लेबाजी करने वाली टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी रहीं. डैनी गिब्सन ने दो विकेट लिए, जबकि लॉरेन बेल और फ्रेया केम्प ने एक-एक विकेट लिया।

महिला टी20 वर्ल्ड कप का सेमीफाइनल – इंग्लैंड और वेस्टइंडीज ग्रुप 2 से सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं, और बाकी दो सेमीफाइनलिस्ट का फैसला आज होगा. बांग्लादेश बनाम दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया बनाम भारत मैचों के नतीजों के आधार पर जगहें तय होंगी. ग्रुप स्टेज का आखिरी दिन तीन टीमों के लिए बहुत अहम साबित हुआ है, क्योंकि इससे 'लास्ट फोर' (अंतिम चार) में उनकी जगह तय होगी।

आयरलैंड ने भारत को दूसरे टी20 में एक रन से दी मात

पहली बार सीरीज जीतकर रचा इतिहास

बेलफास्ट (एजेंसी)। आयरलैंड ने भारत को दूसरे टी20 में एक रन से हराकर दो मैचों की टी20 सीरीज अपने नाम कर ली है. बेलफास्ट में खेले गए दूसरे मैच में मेजबान टीम ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 154 रन बनाए. जिसमें हैरी टेक्टर ने सबसे ज्यादा 47 गेंद में 56 रनों की पारी खेली. वहीं भारत की तरफ से अपना पहला टी20 मैच खेल रहे प्रिंस यादव ने सबसे ज्यादा 3 विकेट झटके. उन्होंने 4 ओवर में 22 रन देकर 3 विकेट के साथ अपना स्पेल खत्म किया. इसके अलावा अर्शदीप और दुबे को 2-2 विकेट मिले, जबकि हर्षित राणा एक विकेट लेने में सफल रहे।

154 रनों के जवाब में भारतीय टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 153 रन ही बना सकी. जिसकी वजह से उन्हें एक रनों से हार का सामना करना पड़ा. मैच में भारतीय बल्लेबाजी ने एक बार फिर सबको निराश किया।

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने इंटरनेशनल क्रिकेट को कहा अलविदा

लंदन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रहे टेस्ट मैच में इंग्लैंड को एक बड़ा झटका लगा है. इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने इंटरनेशनल क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास की घोषणा कर दी है. इंग्लैंड टीम ने टेस्ट के चौथे दिन के खेल के बीच में यह जानकारी दी. इसके साथ ही स्टोक्स के 15 साल के करियर पर विराम लग जायेगा जिसमें वह 2019 वनडे विश्व कप फाइनल में इंग्लैंड की न्यूजीलैंड पर जीत के नायक रहे. वह टी20 विश्व कप 2022 जीतने वाली इंग्लैंड टीम के भी अहम सदस्य थे और उसी साल टेस्ट कप्तान बने थे। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के बाद नाइट क्लब घटना के बाद अनुशासनात्मक कारणों से 35 साल के इस ऑलराउंडर को दूसरे टेस्ट से बाहर रखा गया था।

इंग्लैंड क्रिकेट ने क्या कहा – इंग्लैंड क्रिकेट ने अपने बयान में कहा, 'इंग्लैंड के अब तक के सबसे महान कप्तानों में से एक, बेन स्टोक्स ने इस टेस्ट मैच के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है. बेन, आप इस टीम के लिए सबसे प्रेरणादायक कप्तान, लीडर और लेजेंड रहे हैं, जिसकी टीम कभी उम्मीद कर सकती थी. हम आपसे बहुत प्यार करते हैं और आपके रिटायरमेंट के लिए आपको शुभकामनाएं देते हैं।'

स्टोक्स ने क्या कहा – स्टोक्स ने एक भावुक वीडियो में कहा, 'कारणों पर बाद में बात हो सकती है, लेकिन मैंने इस टीम के लिए, आप लोगों के लिए और पहले के लोगों के लिए कई बार अपना सब कुछ झोंका है, और मुझे एक बार और ऐसा करना है. मैं बस यही चाहता हूं. हमें बहुत मेहनत करनी है, और मैं बस यही चाहता हूं कि नतीजे की परवाह किए बिना, मैं उस मैदान से यह जानते हुए बाहर निकलूं कि इस ग्रुप ने पिछले दो दिनों में अपना सब कुछ दिया है. मैं बस यही चाहता हूं कि हर कोई न केवल मेरे लिए, स्वार्थी होकर, बल्कि इस टीम के लिए भी अपना सब कुछ दे।